दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — ठण्ड का कहर: सीवियर कोल्ड डे ..
4 अभिव्यक्ति — आरबीआई के राहत का ...
6 मनोरंजन/व्यापार — बॉलीवुड में कमबैक करेंगी ..
7 खेल — विश्व कप जीतना सपने पूरे होने....

www.navpradesh.com भोपाल, मंगलवार 11 फरवरी, 2020, कृष्ण पक्ष- द्वितीया, विक्रम संवत-2076 वर्ष-03 अंक-275 पृष्ठ-08 मूल्य-3.00 डाक पंजीयन संख्या -म प्र /भोपाल /4-468/2018-20 मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

1964 में आई फिल्म मेरा साया का एक गाना बेहद मशहूर हुआ था- झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में....। वह झुमका अब मिल गया है। बरेली के एक तिराहे में पूरे दो क्विंटल का झुमका लगा दिया गया है। अब आगरा वालों ने यह गाना - आगरे से घाघरा मंगादे मेरे सैंया, पकड़ फिर बैंया.... बजाना बंद कर दिया है। उन्हे डर है कि आगरा प्रशासन भी किसी चौराहे पर बड़ा सा घाघरा न टांग दें। यूपी में जिस तरह शहरों के नाम बदले जा रहे है उसे देखते हुए आगरा का नाम घाघरा किए जाने का भी खतरा है।

डी.जी.पी. पर संशय, डी.आई.जी.- एस.पी. के थोकबंद तबादले

कमलनाथ सरकार ने सोमवार को अब तक की सबसे बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है...।

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने भारतीय पुलिस सेवा के 52 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसे अब तक की सबसे बड़ी प्रशासनिक सर्जरी माना जा रहा है। नई सूची के मुताबिक 1988 बैच के अफसर प्रशासन के एडीजी कैलाश मकवाना को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) बनाया गया है। वे पुलिस मुख्यालय में कामकाज देखेंगे। 16 जिलों के एसपी बदल दिए गए हैं. इनके अलावा सरकार ने आज पांच एडीजी, सहित कई आईजी, डीआईजी और सोलह जिलों में एसपी को बदल दिया है. इनमें इंदौर ग्रामीण के डीआईजी संजय तिवारी भी शामिल हैं.धार मॉब लिंचिंग मामले में सीएम की नाराज़गी के बाद उन्हें हटाया गया है. तिवारी को पुलिस **शेष पृष्ठ 7 पर**

नई पुलिस जमावट

सवा साल का कार्यकाल पूरा करने जा रही कमलनाथ सरकार ने अब पुलिसिया जमावट तेज कर दी है.राज्य सरकार ने एक साथ 52 पुलिस अफसरों के तबादले कर दिए हैं.मैदानी अफसरों से लेकर पीएचक्यू स्तर पर सरकार ने आला पुलिस अफसरों के कामकाज में बड़ा फेरबदल किया है.पुलिस विभाग के आज जारी तबादला आदेश में सरकार ने पांच एडीजी, सहित कई आईजी, डीआईजी और सोलह जिलों में एसपी को इधर से उधर कर दिया है ।

सोलह जिलों में एसपी बदले

कमलनाथ सरकार का सबसे बड़ा पुलिस प्रशासनिक फेरबदल आज हो गया है. सरकार के सवा साल पूरे होने से पहले कमलनाथ सरकार ने एक साथ 52 पुलिस अफसरों को बदल दिया.सबसे महत्वपूर्ण पुलिस प्रशासन का जिम्मा कैलाश मकवाना से लेकर अजय कुमार शर्मा को जिम्मेंदारी सौप दिया गया है. वहीं सरकार ने लंबे समय से इंटेलिजेंस का जिम्मा संभाल रहे मकरंद देउस्कर को हटाकर डी श्रीनिवास वर्मा को अहम जिम्मेंदारी सौपी गई है.

खास खबर

ऑटो सेक्टर पर नए साल में भी मंदी का साया

नई दिल्ली। देश के ऑटो सेक्टर की बिक्री में गिरावट का सिलसिला नए साल में भी जारी है. जनवरी महीने में सभी श्रेणी के वाहनों की कुल बिक्री 13.83 प्रतिशत घटकर 17,39,975 इकाई रह गई. यही नहीं, यात्री वाहनों की बिक्री भी 6.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,62,714 इकाई रही। हालांकि इसके पहले 2019 का आखिरी महीना ऑटो सेक्टर के लिए कुछ बेहतर था और दिसंबर में मारुति, महिंद्रा और एमजी मोटर की कारों बिक्री में बढ़त देखी गई थी। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी में तिपहिया को छोड़कर अन्य सभी श्रेणी के वाहनों की बिक्री घटी है. दोपहिया वाहनों की बिक्री करीब 16 फीसदी की गिरावट के साथ 13,41,005 इकाई रही। जनवरी में देश में कुल 75,289 कॉमर्शियल वाहन बिके जो जनवरी 2019 के मुकाबले 14.04 प्रतिशत कम हैं। इस दौरान तिपहिया वाहनों की बिक्री 12.69 प्रतिशत बढ़कर 60,903 ईकाई पर पहुंच गई।सूत्रों के मुताबिक पिछले साल जनवरी में देश में 2 लाख 80 हजार 91 वाहन बिके थे।

10 मंत्रालयों पर 5 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। खाद्य सुरक्षा कानून लागू करने में हुई लापरवाही को लेकर सुप्रीम कोर्ट सरकार के मंत्रालयों से नाराज है। सुप्रीम कोर्ट ने विधि और न्याय मंत्रालय, महिला और कल्याण, समाजिक न्याय और अधिकारिता, ग्रामीण विकास सहित 10 केंद्रीय मंत्रालयों पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने बेघर और खानाबदोश लोगों को राशन कार्ड मुहैया कराने और बिना आधार कार्ड वाले लोगों के लिए सामूहिक रसोई और खाद्य सुरक्षा कानून लागू करने को कहा था।

प्रमोशन में आरक्षण: सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सियासी घमासान

प्रमोशन में आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के 7 फरवरी के आदेश पर मचा सियासी घमासान, संसद में भी उठा मामला

कांग्रेस ने कहा था- भाजपा आरक्षण के खिलाफ है, सरकार सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका लाए

नई दिल्ली। सरकारी नौकरियों में पदोन्नति में आरक्षण की मांग को लेकर कांग्रेस और माकपा समेत विपक्षी दलों ने सोमवार को लोकसभा में हंगामा किया। सामाजिक न्याय मंत्री थावर चंद गहलोत ने कहा- हम इसको लेकर उच्च स्तर पर चर्चा कर रहे हैं। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अदालत में सरकार कभी इस मामले में पार्टी नहीं रही। गहलोत ने कहा- यह केस 2012 में उत्तराखंड सरकार के पदोन्नति में आरक्षण नहीं देने पर सामने आया था। उस समय **शेष पृष्ठ 7 पर**

कांग्रेस ने कोर्ट के फैसले से असहमति जताई

कांग्रेस ने रविवार को कहा था कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले से असहमत है। एनडीए के सहयोगी दल लोजपा के सांसद चिराग पासवान ने भी लोकसभा में आरक्षण पर दिए फैसले के खिलाफ आवाज उठाई। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, भाजपा आरक्षण के खिलाफ है। वह आरक्षण को संविधान से निकालना चाहती है। वे चाहते हैं कि एससी/एसटी कैटेगरी कभी आगे न बढ़े और यह जो कहा गया है कि आरक्षण मौलिक अधिकार ही नहीं है, ये भाजपा की साजिश है।

फैसले पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया

माकपा ने सरकारी नौकरियों और पदोन्नति में आरक्षण को अनिवार्य बताते हुए कहा है कि सरकार को इसे लागू करने में आ रही कानूनी बाधाओं को दूर करना चाहिए। इनके अलावा भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के दल लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) ने भी विरोधी सुर मुखर कर लिए हैं। उसका कहना है कि सरकार यदि आरक्षण में आ? आ रही कानूनी बाधा दूर नहीं करती तो संसद में मुद्दा उठाएंगे। कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने कहा कि सरकारी पदों पर अजा/जजा की पदस्थापना सरकार का अधिकार नहीं होना चाहिए, बल्कि यह संविधान द्वारा दिया गया मौलिक अधिकार है। पार्टी प्रवक्ता उदित राज ने कहा कि यह मामला बताता है कि भाजपा शासित राज्य और केंद्र सरकार में मतभेद हैं। क्योंकि ऐसे ही मामले में केंद्र ने पदोन्नति में आरक्षण दिया है। मूल रूप से भाजपा दलितों और आरक्षण के खिलाफ है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेंगलुरू में कहा कि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करे या आरक्षण को मौलिक अधिकार बनाने के लिए संविधान में संशोधन करे। चिराग पासवान की सरकार से अपील- तत्काल फैसला पलटे, पुरानी व्यवस्था लागू करें। लोजपा प्रमुख चिराग पासवान ने सरकार से सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को पलटने की मांग की है। दिल्ली में रविवार को पासवान ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए आरक्षण की व्यवस्था पहले की तरह ही बरकरार रखे को कहा। सूत्रों के मुताबिक, चिराग सोमवार को यह मामला लोकसभा में उठा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकारी नौकरियों में प्रमोशन के लिए कोटा या आरक्षण की मांग करना मौलिक अधिकार नहीं है। जस्टिस एल नागेश्वर राव और जस्टिस हेमंत गुप्ता की बेंच ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी सेवा में कुछ समुदायों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न दिए जाने का आंकड़ा सामने लाए बिना राज्य सरकारों को ऐसे प्रावधान करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

संघ के अधिकारी एवं कार्यालय आतंकी संगठनों के निशाने पर !

विस्फोटक लदी गाड़ी से कर सकते हैं हमला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अधिकारी और कार्यालय दुनिया के कई बड़े आतंकी संगठनों के निशाने पर हैं। हमले के लिए आतंकवादी आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) या विस्फोटकों से लदी गाड़ी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इंटेलिजेंस ब्यूरो के ताजा तथ्यों के मुताबिक महाराष्ट्र, पंजाब और राजस्थान और पूर्वोत्तर के राज्यों में इस तरह के हमले का ज्यादा खतरा है। आईबी द्वारा जारी तथ्यों में कहा गया, वैश्विक आतंकी समूहों से जुड़े अज्ञात लोग आने वाले दिनों में आरएसएस के नेताओं, उनके दफ्तरों और पुलिस स्टेशनों पर हमले की योजना बना रहे हैं। आतंकवादी आईईडी या विस्फोटकों से लदी गाड़ी की मदद से आने वाले दिनों में ऐसे हमले को अंजाम दे सकते हैं। आईबी ने संबंधित राज्य सरकारों से खतरे को देखते हुए सुरक्षा कड़ी करने के लिए कहा है। एक उच्च अधिकारी ने दावा किया कि खुफिया अलर्ट के बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और असम में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। संघ के पदाधिकारियों की सुरक्षा की भी समीक्षा की जा रही है। दिसंबर में बेंगलुरू में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के समर्थन में रैली में शामिल होने गए संघ कार्यकर्ता पर जानलेवा हमला किया गया था। इस मामले में जनवरी में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दावा किया था कि मोहम्मद इरफान, **शेष पृष्ठ 7 पर**

कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 900 के पार, चीन में 3,062 नए मामले

नई दिल्ली। कोरोना से चीन में रविवार को 97 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3,062 नए कन्फर्म केस सामने आए। समाचार एजेंसी पीटीआई ने चीन के नेशनल हेल्थ कमीशन के हवाले से बताया है कि अबतक कोरोना से 908 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना का केंद्र हुबेई हैं और वहां रविवार को सबसे ज्यादा 91 लोगों की मौत हुई। रविवार को कोरोना के 4,008 नए संदिग्ध केस सामने आए. 296 लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। इस तरह अबतक कुल 6,484 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है जबकि कुल संदिग्ध केस की संख्या 23, 589 है. कोरोना के कन्फर्म केस की संख्या 40,171 तक पहुंच गई है।

विदेशी राजनयिकों का एक और दल इस हफ्ते कश्मीर जाएगा

अनुच्छेद 370 हटने के बाद जमीनी हकीकत जानेगा डेलिगेशन

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के मौजूदा हालात का जायजा लेने के लिए इस हफ्ते विदेशी राजनयिकों का दल एक बार फिर राज्य का दौरा करेगा। पिछले महीने ही अमेरिकी राजदूत के नेतृत्व में 15 सदस्यीय डेलिगेशन ने कश्मीर का दौरा किया था। अधिकारियों के मुताबिक, इस बार डेलिगेशन में यूरोपियन यूनियन और खाड़ी देशों के राजनयिक शामिल रहेंगे। भारत ने पिछले साल 5 अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा छीन लिया था।

राजनयिकों को कश्मीर का दौरा क्यों करा रही सरकार?

दरअसल, पिछले दौरे में यूरोपियन प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर दौरे पर जाने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि वह 'गाइडेड टूर' के पक्ष में नहीं हैं और बाद में वहां जाएंगे। इसके चलते पिछले दौरे में में अमेरिकी राजदूत कैनेथ जस्टर समेत बांग्लादेश, वियतनाम, नॉर्वे, मालदीव, दक्षिण कोरिया, मोरक्को, नाइजीरिया और अन्य देशों के राजनयिक कश्मीर गए थे। ईयू के राजनयिकों ने कहा था कि वे अपनी मर्जी से चुने गए नेताओं से मिलना चाहते थे।

कश्मीर में पीडीपी नेताओं से मिला था पिछला प्रतिनिधिमंडल

पिछले महीने दो दिवसीय कश्मीर दौरे पर विदेशी प्रतिनिधिमंडल को 15 कॉर्प्स हेडक्वार्टर ले जाया गया। यहां राजनयिकों ने सेना के अधिकारियों ने कश्मीर के हालात के बारे में जानकारी दी। सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों के अलावा दल ने वरिष्ठ राजनीतिज्ञ अल्ताफ बुखारी से भी मुलाकात की थी। इस दौरान, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के 8 नेताओं ने भी राजनयिकों से मुलाकात की और राज्य के हालात के बारे में बताया।

प्लीज मोदी जी! बचा लीजिए... क्रूज से भारतीयों ने भेजा संदेश

नई दिल्ली/तोक्यो। करॉना वायरस के संक्रमण के बीच जापान के 'डायमंड प्रिंसेज' लग्जरी क्रूज पर फंसे भारतीयों ने विडियो संदेश भेजकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई है। क्रूज के क्रू मेंबर टीम में शेफ की जिम्मेदारी संभाल रहे बिनय कुमार सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करते हुए विडियो संदेश में कहा है कि वे बेहद डरे हुए हैं और जल्द से जल्द उन्हें यहां से निकालने का इंतजाम किया जाए। क्रू मेंबर विडियो में कह रहा है, हम बहुत डरे हुए हैं। जल्द से जल्द हमारी मदद की जाए। इस वक्त क्रूज पर 3200 लोग **शेष पृष्ठ 7 पर**

महावीर मंदिर ट्रस्ट ने दिया राम मंदिर के गर्भगृह को सोने से बनाने का प्रस्ताव

लखनऊ। अयोध्या में बनने वाले भगवान राम के मंदिर के गर्भ गृह को सोने का बनाने का प्रस्ताव सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि में विराजमान रामलला के दिव्य मंदिर के निर्माण में गर्भगृह स्वर्ण पत्तलों से बनाने की बात कही गई है। ये प्रस्ताव पटना के महावीर स्थान न्यास समिति की तरफ से आया है। न्यास ने कहा है कि स्वर्ण गर्भ गृह में सोना लगाने का जितना भी खर्च आएगा, वह न्यास वहन करेगा। महावीर न्यास समिति के सचिव पूर्व आईपीएस किशोर कुणाल ने कहा है कि मंदिर को भव्य और दिव्य भव्यता बनाने के लिए कुछ नयापन होना जरूरी है। हालांकि इस गर्भ गृह को सोने का बनाने के लिए किसी से न चंदे के रूप में पैसे लिए जाएंगे और न ही किसी से सोना मांगा जाएगा। अगर अनुमति मिली तो मंदिर समिति अपने फंड से गर्भ गृह को सोने का बनाने का काम करेगी। राम मंदिर को लेकर किशोर कुणाल की सक्रियता कोई नई नहीं है। महावीर न्यास के **शेष पृष्ठ 7 पर**

गरमा-गरम

टिप्पणी

शाहीन बाग प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी, किसी सार्वजनिक जगह को प्रदर्शन के लिए जाम नहीं जा सकता

शाहीन बाग पर सुप्रीम कोर्ट- ऐसे सड़क नहीं घेर सकते

शीर्ष अदालत ने केंद्र, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को जारी किया नोटिस

मामले की अगली सुनवाई अब 17 फरवरी को होगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शाहीन बाग मामले की सुनवाई को 17 फरवरी तक के लिए टाल दिया है। शाहीन बाग में पिछले दो महीने से नागरिकता संशोधन ऐक्ट के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शन वाली याचिकाओं की सुनवाई करते हुए कोई अंतरिम आदेश तो नहीं दिया लेकिन इतना जरूर टिप्पणी की कि किसी सार्वजनिक जगह को प्रदर्शन के लिए जाम नहीं किया जा सकता है। कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई अब 17 फरवरी को होगी। जस्टिस एस के कौल और जस्टिस के एम जोसेफ की पीठ ने कहा कि 58 दिन **शेष पृष्ठ 7 पर**

प्रदर्शन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 3 याचिकाएं

दिल्ली के शाहीन बाग में पिछले 50 दिनों से सीएए और एनआरसी के विरोध में प्रदर्शन हो रहा है। इसके चलते वहां मुख्य सड़क पर आवाजाही बंद है। इलाके का ट्रैफिक डाइवर्ट किए जाने से लोगों को हो रही परेशानी के खिलाफ वकील अमित साहनी और भाजपा नेता नंदकिशोर गर्ग ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। वहीं, प्रदर्शन के दौरान 4 माह के बच्चे की मौत पर बहादुरी पुरस्कार प्राप्त छात्रा जेन गुणरत्न सदावर्ते ने सुप्रीम कोर्ट को चिट्ठी लिखी थी।

प्रदर्शन में रास्ता बंद होने पर...

शीर्ष अदालत ने कहा- प्रदर्शन लंबे वक्त से जारी है, इसके लिए आम रास्ते को अनिश्चितकाल के लिए कैसे बंद कर सकते हैं। लोगों को आंदोलन करने का अधिकार है, लेकिन इससे किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। प्रदर्शन निर्धारित स्थान पर ही किया जाना चाहिए। इस मामले में दूसरे पक्ष को सुनना भी जरूरी है। इसलिए तुरंत कोई आदेश जारी नहीं करेंगे। कोर्ट ने इस मामले में भी केंद्र और दिल्ली सरकार के साथ दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है।

प्रदर्शन में बच्चे की मौत पर...

दो महिला वकीलों ने कोर्ट के स्वतः संज्ञान लेने पर आपत्ति जताई। वकीलों ने कहा- प्रदर्शनस्थल पर जाने वाले बच्चों को स्कूलों में पाकिस्तानी और देशद्रोही कहा जाता है। इस पर चीफ जस्टिस एसए बोबडे की बेंच ने महिला वकील को फटकार लगाते हुए पूछा- क्या 4 माह का बच्चा ऐसे प्रदर्शनों में हिस्सा ले सकता है। वकीलों के मुद्दा भटकाने पर बेंच ने कहा- हम नहीं चाहते कि लोग अदालत का इस्तेमाल परेशानियां बढ़ाने के लिए करें।

करॉना: मोदी के ऑफर पर चीन, हमारी दोस्ती है

करॉना वायरस से पीड़ित चीन ने भारत द्वारा मदद की पेशकश की सराहना की

पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पत्र लिखकर की थी मदद की पेशकश

चीन में अबतक 900 लोगों की जान ले चुका है करॉना वायरस

चीन का हुबेई प्रांत करॉना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित है

पेइचिंग। पीएम मोदी ने करॉना वायरस का प्रकोप झेल रहे चीन को मदद की पेशकश की थी जिसकी चीन ने सराहना की है। पीएम मोदी की इस पेशकश की सराहना करते हुए चीन ने कहा कि यह भारत की पेइचिंग के साथ दोस्ती को पूरी तरह से प्रदर्शित करता है। पीएम मोदी के पत्र पर चीन की यह प्रतिक्रिया काफी मायने रखती है, खासकर तब जब गाहे बगाहे भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव भी देखने को मिलता है। आपको बता दें कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पत्र लिखकर करॉना वायरस से निपटने में भारत की तरफ से मदद की पेशकश की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि लेटर में पीएम मोदी ने करॉना वायरस को लेकर चिनफिंग और चीन के लोगों के प्रति एकजुटता का इजहर किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने खत में चीन के हुबेई प्रांत में फंसे 650 भारतीयों को एयरलिफ्ट करने में मदद के लिए चिनफिंग की तारीफ भी की है।

चीन में 900 लोगों की जान ले चुका है करॉना वायरस

गौरतलब है कि हमारा पड़ोसी देश चीन इस वक्त करॉना वायरस के प्रकोप से बुरी तरह पीड़ति है। इस वायरस की वजह से अबतक चीन में तकरीबन 900 लोगों की जान जा चुकी है। करॉना वायरस से चीन का हुबेई प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित है। इस प्रांत की राजधानी वुहान में बहुत बुरी स्थिति है। लोगों को ऐहतियातन उनके घरों में ही एक तरह से कैद करना पड़ा है ताकि वायरस से प्रसार को रोका जा सके।

चीन ने भारत के प्रति जताया आभार

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने कहा, हम करॉना वायरस के खिलाफ चीन की लड़ाई में भारत के समर्थन के प्रति आभार जताते हैं और सराहना करते हैं। प्रवक्ता ने ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में मोदी की ओर से चिनफिंग को लिखे गए पत्र के बाबत पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, भारत की सद्भावना का यह कदम चीन के साथ उसकी दोस्ती को पूरी तरह से प्रदर्शित करता है।

दर्दनाक : बेरोजगारी से परेशान पिता ने की दो बच्चों की गला घोंटकर हत्या, फिर मेट्रो के आगे कूदकर की खुदकुशी

नई दिल्ली(ए.)। राजधानी के शालीमार बाग इलाके में रविवार (9 फरवरी) रात दो बच्चों की गला घोंटकर हत्या करने के बाद एक शख्स द्वारा मेट्रो के आगे कूदकर खुदकुशी करने की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। प्रारंभिक जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि हत्यारोपी पिता की कुछ दिनों से बेरोजगार था। इस कारण उसकी आर्थिक हालात ठीक नहीं थी। इस बात को लेकर वह परेशान था और डिप्रेशन में चल रहा था। इस आधार पर यह आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक तंगी से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। बहरहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच आरंभ कर दी है। आरोपी की पत्नी से पूछताछ कर मामले की जांच की जा रही है।

आरएसएस नेता भैय्याजी जोशी बोले, हिंदू मतलब बीजेपी नहीं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता सुरेश 'भैय्याजी' जोशी ने कहा कि आपका सवाल कहता है कि हिंदू ही हिंदू समुदाय का दुश्मन बन रहे हैं, यानी बीजेपी। हिंदू समुदाय का मतलब बीजेपी नहीं है। उनकी यह टिप्पणी संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच आई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का विरोध करना हिंदुओं का विरोध करने के बराबर नहीं है। जोशी ने यह बात यहां पास स्थित दोना पाउला में विश्वगुरु भारत पर भाषण के तहत प्रश्न उत्तर सत्र के दौरान कही। इस सवाल पर कि 'क्यों हिंदू अपने ही समुदाय के दुश्मन बन रहे हैं', उन्होंने कहा कि हमें भाजपा के विरोध को हिंदुओं का विरोध नहीं मानना चाहिए। यह एक राजनीतिक लड़ाई है जो चलती रहेगी। इसे हिंदुओं से नहीं जोड़ना चाहिए। जोशी ने कहा, ''एक हिंदू अपने साथी (हिंदू) के खिलाफ लड़ता है क्योंकि वे धर्म भूल जाते हैं। यहां तक कि छत्रपति शिवाजी महाराज को भी अपने ही परिवार से विरोध का सामना करना पड़ा था। जहां भ्रम और आत्मकेंद्रित व्यवहार होता है, विरोध होता है।

नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ दिल्ली से लेकर कर्नाटक तक लोगों ने किया मार्च

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (Citizenship amendment act) के खिलाफ देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन अब भी जारी है। इस बीच सोमवार को लोग नागरिकता संशोधन कानून, एनआरसी और एनपीआर पर दिल्ली के मंडी हाउस से लेकर संसद तक मार्च कर रहे हैं। उधर, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में बिलाल मस्जिद के नजदीक महिलाओं ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), एनआरसी और एनपीआर पर प्रदर्शन किया। उधर, दिल्ली के शाहीन बाग में दो महीने से भी ज्यादा से लोग एक जगह पर बैठकर प्रदर्शन कर रह हैं। इसमें अधिकतर महिला और बच्चे शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शाहीन बाग प्रदर्शनकारियों को हटाने वाली मांग की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि विरोध से दूसरों को परेशानी न हो, ऐसा अनिश्चित काल के लिए नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि इतने समय तक आप रोड कैसे ब्लॉक कर सकते हैं सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 17 फरवरी की होगा।

नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ संसद मार्च, पुलिस से भिड़े, लहराईं चूड़ियां

जामिया यूनिवर्सिटी के गेट नंबर 7 से निकले मार्च को ओखला के होली फैमिली हॉस्पिटल के नजदीक रोका गया

इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेड्स के ऊपर चढ़ गए, पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया, कुछ प्रदर्शनकारी घायल

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ राजधानी में विरोध-प्रदर्शन एक बार फिर तेज हो गया है। रविवार को संसद तक मार्च निकाल रहे प्रदर्शनकारियों की पुलिस से भिड़ंत हो गई। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी जख्मी भी हुए हैं। संसद तक प्रोटेस्ट मार्च को रोके जाने से नाराज कुछ महिला प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली पुलिस की तरफ चूड़ियां भी लहराई। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस को चूड़ियां पहन लेनी चाहिए क्योंकि वह मार्च को आगे बढ़ने नहीं दे रही है। दिल्ली पुलिस और जामिया यूनिवर्सिटी प्रशासन की बार-बार अपीलों के बाद भी प्रदर्शनकारी संसद तक कूच करने के लिए अड़े हुए हैं। इसके मद्देनजर सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के एंट्री और एग्जिट गेट को बंद कर दिया गया है। इस दौरान कुछ छात्र बैरिकेड्स पर चढ़ गए।

संसद तक मार्च निकाल रहे प्रदर्शनकारियों को ओखला में रोका गया

जामिया से संसद तक मार्च के ऐलान के बाद से ही दिल्ली पुलिस ने जामिया और आस-पास के क्षेत्रों को एक तरह से छावनी में तब्दील कर दिया था। जामिया के छात्रों और पूर्व छात्रों के संगठन जामिया को-ऑर्डिनेशन कमिटी (छ्ष्टष्ट) ने सीएए के विरोध में संसद तक मार्च का ऐलान किया था। प्रशासन ने इस मार्च को अनुमति नहीं दी है। सैकड़ों प्रदर्शनकारी संसद की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन ओखला में होली फैमिली हॉस्पिटल के नजदीक पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक लिया।

कागज नहीं दिखाएंगे...हल्ला बोल के नारे

प्रदर्शनकारियों ने जामिया के गेट नंबर-7 से अपना मार्च शुरू किया । प्रदर्शनकारी कागज नहीं दिखाएंगे और जब नहीं डरे हम गोरों से तो क्यों डरे हम औरों से जैसे नारे लगा रहे थे । प्रदर्शन में कई महिलाएं भी थीं। हाथों में कई लोग तिरंगा थामे हुए थे और हल्ला बोल के नारे लगा रहे थे ।

महाराष्ट्र की 24 वर्षीय टीचर ने तोड़ा दम, मनचले ने पेट्रोल छिड़ककर लगाई थी आग

मुंबई(ए.)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में पिछले हफ्ते जिस 24 वर्षीय महिला टीचर को जिंदा जलाया गया था उसने जिंदगी के लिए लबें संघर्ष के बाद अस्पताल में दम तोड़ दिया। नागपुर हॉस्टपीटल के डॉक्टरों ने इस बात की जानकार दी, जहां पर उस टीचर को बुरी तरह जलने के बाद इलाज किया जा रहा था।

हॉस्पीटल के अधिकारियों ने बताया कि पिछले दो दिनो से महिला की हालत काफी बिगड़ गई थी और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। हॉस्पीटल ने बुलेटिन में कहा- ÷उसकी हालत कापी खराब होती जा रही थी और ब्लड प्रेश फ्लक्चुएट कर रहा था। हार्ट दो बार फेल हो चुका था। पहली बार हम उसे ठीक कर पाए लेकिन दूसरी बार नहीं हो पाया।

ऑरेंज सिटी हस्पीटल के डायेक्टर डॉक्टर मरार ने कहा- महिला टीचर ने सुबह छह बजकर 55 मिनट पर आखिरी सांस ली। उसे चालीस फीसदी जली हालत में अस्पताल लाया गया था, उसका अधिकतर ऊपर का हिस्सा जला हुआ था। इन्फैक्शन पूरे शरीर में फैल चुका था। उसकी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई थी।

स्कूल जाते समय पेट्रोल छिड़ककर लगाई थी आग: आरोपी ने 25 वर्षीय शिक्षिका अंकिता पिसुडे पर सोमवार को कॉलेज जाते समय पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी। महिला को पहले नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे नागपुर स्थित ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर भेज गया था। पुलिस ने आरापी युवका को गिरफ्तार कर लिया था। जांच अधिकारी प्रतिभा दुधबाले ने कहा कि हिंगनघाट शहर में यह घटना सोमवार को सुबह लगभग सात बजे उस वक्त हुई, जब एक निजी कॉलेज में अध्यापन के लिए जा रही पीड़िता नांदेरी चौक पर बस से उतरी।

घटना कॉलेज से लगभग

टीचर के गांव का ही रहनेवाले है आरोप

वर्धा की पुलिस अधीक्षक बसवराज तेली ने आईएएनएस से कहा, हमने घटना के तुरंत बाद 27 वर्षीय आरोपी विक्की नागरे को पकड़ लिया। उन्होंने आगे कहा, वह और पीड़िता एक ही गांव दारोदा के रहने वाले हैं। 25 वर्षीय पीड़िता पास के ही मातोश्री आशाताई कुंवर कॉलेज में पार्टटाइम लेक्चरर के रूप में पढ़ाती थीं।

गार्गी कॉलेज मामला: बवाल के बाद दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

डीएसडब्ल्यू ने प्रिंसिपल को किया तलब

नई दिल्ली(ए.)। दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज में छह फरवरी को एनुअल फेस्ट के दौरान छात्रों के साथ हुई छेड़छाड़ के मामले में बवाल बढ़ने के बाद दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। इस घटना के विरोध में गार्गी कॉलेज के गेट के बाहर 100 से अधिक छात्राओं ने इस संबंध में प्रदर्शन किया। संसद में मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बताया कि छेड़छाड़ के मामले में बाहरी तत्व शामिल रहे और संस्थान प्रशासन से कार्रवाई करने को कहा गया है। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले में संज्ञान लेने के बाद सोमवार को कॉलेज जाकर छात्राओं से पूछताछ की।

दिल्ली महिला आयोग ने इस मामले में गार्गी कॉलेज की प्रिंसिपल को समन जारी कर तलब किया है। डीसीडब्ल्यू के समन के मुताबिक, कॉलेज प्रिंसिपल प्रोमिला कुमार को 13 फरवरी को दोपहर दो बजे पेश होकर जवाब देना है। वहीं डीसीपी साउथ ने बताया है कि क्राइम अगेंस्ट वूमेन सेल की जांच अधिकारी को जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

क्या हुआ था गार्गी कॉलेज में

सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, छह फरवरी को कॉलेज फेस्ट 'रेवरी' के दौरान शाम करीब साढ़े छह बजे नशे में धुत पुरुषों के समूह ने कॉलेज के प्रवेश द्वार पर धावा बोल दिया और अंदर घुस गए। छात्राओं ने आरोप लगाया कि 'रैपिड एक्शन फोर्स और दिल्ली पुलिस के जवान वहीं गेट के पास तैनात थे, जहां से ये पुरुष कथित तौर पर अंदर आए। नाम उजागर न करने की शर्त पर एक छात्रा ने कहा, 'वहां सुरक्षा में भारी चूक थी। छात्राओं को गलत तरीके से छुआ गया, छेड़छाड़ की और उन पुरुषों द्वारा हाथापाई भी की गई, जिनकी उम्र 35 साल के आसपास लग रही थी। कॉलेज ने सुरक्षा का दावा किया है लेकिन मुझे नहीं लगता कि देश में किसी भी कॉलेज परिसर में ऐसी कोई घटना हो सकती है।'

पुलवामा हमला : दिग्विजय सिंह ट्वीट कर बोले-मोदी-शाह का काम हो गया

नई दिल्ली(ए.)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पुलवामा हमले के शहीदों का मामला उठाते हुए सोमवार को कहा कि शहीदों के परिजनों को एक साल बीतने के बावजूद मदद नहीं मिली है। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि पुलवामा हमले का एक साल हो गया है। शहीद की पत्नी मदद के लिए गुहार लगा रही है। अब तो सरकार को सुनना चाहिए। उन्होंने लिखा है कि 'मोदी-शाह' का काम हो गया है और उन्होंने राष्ट्रवाद के नाम पर चुनाव (लोकसभा चुनाव) जीत लिया।

पश्चिम बंगाल में भी फ्री बिजली का ऐलान

3 महीने में 75 यूनिट खपत करने वालों को नहीं देना होगा बिल

कोलकाता(ए.)। दिल्ली सरकार की तर्ज पर पश्चिम बंगाल की सरकार ने भी मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है। अपने फैसले में ममता सरकार ने कहा है कि तीन महीने में 75 यूनिट बिजली की खपत करने वालों से बिल नहीं लिया जाएगा। दिल्ली की केजरीवाल सरकार लोगों को 200 यूनिट तक फ्री बिजली दे रही है। इस विधानसभा चुनाव में फ्री बिजली को लेकर खूब चर्चा हुई। ममता सरकार ने आज अपना बजट विधानसभा में पेश किया है। 2,55,677 करोड़ रुपए के बजट की घोषणा की है। राज्य के वित्त मंत्री ने अपने भाषण में कहा पश्चिम बंगाल के बजट में अगले तीन साल में 100 लघु एवं मझोले उद्योग पार्क बनाने का प्रस्ताव है। 2020-21 के लिए इस मद में 200 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

झारखंड सरकार भी दिल्ली की तरह झारखंड में घरेलू उपयोग के लिए फ्री बिजली देने की तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ऊर्जा विभाग 100 यूनिट फ्री बिजली का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। यह झारखंड मुक्ति मोर्चा की घोषणा में शामिल है।

दिल्ली ताज | **सभी एग्जिट पोल में भाजपा की हार की भविष्यवाणी**

बीजेपी कर रही है दिल्ली में सरकार बनाने का दावा?

नई दिल्ली (वार्ता)। सारे एग्जिट पोल में भले ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी (AAP) की सरकार की वापसी की भविष्यवाणी की गई है, लेकिन बीजपी आत्मविश्वास से भरी हुई है कि 11 फरवरी को जब ईवीएम खुलेंगे तो सारे आकलन धरे रह जाएंगे और दिल्ली में उसकी जीत होगी। गृह मंत्री अमित शाह बीजेपी के 70 में से 45 सीटें जीतने का दावा कर चुके हैं तो पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष मनोज तिवारी राजनीतिक पंडितों को चुनौती देने के अंदाज में ऐलान कर चुके हैं कि पार्टी 48 सीटें हासिल कर रही है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बीजेपी के इस आकलन का आधार क्या है? और वह सभी एग्जिट पोल के गलत होने का दम क्यों भर रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उसके दावे के तीन आधार हैं। अंतिम दो घंटों में 17% के करीब वोटिंग, पार्टी का आंतिरक सर्वे और चुनाव खत्म होने के बाद 'आप' का चुनाव आयोग पर हमालवर होना। एक बीजेपी नेता ने बताया कि पार्टी ने जो सर्वे कराया है, उसके मुताबिक बीजेपी दिल्ली में कम-से-कम 38 सीटों पर जीत हासिल करेगी। इस सर्वे के अनुसार आप को 30 से 32 सीटें मिल सकती है।

पार्टी नेताओं का आकलन है कि अंतिम दो घंटों में हई 17% वोटिंग को किसी एग्जिट पोल में शामिल नहीं किया गया है। पार्टी नेताओं के तर्क हैं कि जब 6 बजे एग्जिट पोल्स में आंकड़े दिखा दिए गए तो इसका साफ मतलब है कि इसमें दोपहर तक के ही सैंपल शामिल किए गए होंगे, जबकि दिल्ली में अंतिम घंटों में बंपर वोटिंग हुई है।

पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष ने दो ट्वीट्स करके इस ओर इशारा किया है। उन्होंने लिखा है, 'तीन फैक्टर्स पर गौर करने की जरूरत है। आखिर के दो घंटे में करीब 17% मतदान, ईवीएम को लेकर आाम आदमी पार्टी का नैरेटिव और तीसरा फैक्टर है एग्जिट पोल के नतीजे।' उन्होंने सवाल पूछा है कि एग्जिट पोल के अलावा कुछ और होने की संभावना दिख रही है?

उन्होंने अगले ट्वीट में 62.59% वोटिंग का हवाला देते हुए कहा कि पिछले चुनाव से केवल 5% कम और लोकसभा चुनाव से 2% अधिक वोटिंग हुई है, इससे चुनाव एग्जिट पोल्स के आकलनों के विपरीत एकदम खुला हुआ है।

चुनाव खत्म होने और एग्जिट पोल्स में जीत के भविष्यवाणी के बाद भी आम आदमी पार्टी जिस तरह से ईवीएम और चुनाव आयोग पर हमलावर है, उससे भी बीजेपी की उम्मीदें बढ़ी हैं।

यूपी के मंत्री रघुराज सिंह की बुर्के पर रोक की मांग, कहा- आतंकी पहचान छुपाने के लिए करते हैं इस्तेमाल

नई दिल्ली(ए.)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रघुराज सिंह ने मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले बुर्के पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए एक और विवाद खड़ा कर दिया है।

मंत्री ने कहा बुर्के का इस्तेमाल आतंकवादियों द्वारा अपनी पहचान छिपाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने यह जाहिर तौर पर आगरा में शाहजमाल इलाके में महिलाओं द्वारा सीएए के खिलाफ किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के संदर्भ में कहा।

मंत्री ने आगे कहा कि बुर्का पहनना अरब देशों में शुरू हुआ और यह भारतीय रिवाज नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत को इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और उन्होंने यह भी कहा कि पिछले साल श्रीलंका में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों के बाद श्रीलंका ने भी इस पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों घायल हुए थे।

■ न्यूज गैलरी

मध्य प्रदेश सरकार इन्हें दे सकती है संविदा नियुक्ति, हो रही तैयारी

भोपाल। प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति का सिलसिला शुरू होने में डेढ़ माह शेष हैं। ऐसे में राज्य सरकार ने अपनी माली हालत और कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी कामकाज पर पड़ने वाले असर को देखते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को संविदा नियुक्ति देने पर विचार शुरू कर दिया है। संविदा नियुक्ति लेने वाले कर्मचारियों को सरकार सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले फंड तत्काल नहीं देगी, जिससे माली हालत पर भी असर नहीं पड़ेगा और सरकारी काम भी प्रभावित नहीं होगा। इन कर्मचारियों को पहली बार एक साल के लिए संविदा पर रखा जा सकता है। इसके बाद संविदा अवधि बड़ाई भी जा सकती है। संविदा अवधि समाप्त होने के बाद कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले फायदे सामान्य दर से ब्याज के साथ देने पर भी विचार चल रहा है। पदोन्नति में आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए प्रदेश में पदोन्नति पर रोक लगी है। इससे कामकाज प्रभावित हो रहा था तो शिवराज सरकार ने कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु सीमा दो साल बढ़ाकर 62 कर दी। यह अवधि मार्च में खत्म हो रही है। यानी 31 मार्च को प्रदेशभर में चार हजार से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी एक साथ रिटायर होने वाले हैं। उधर, सुप्रीम कोर्ट में भी राज्य सरकार की सशर्त पदोन्नति देने की अर्जी पर सुनवाई शुरू नहीं हुई है। इसे देखते हुए राज्य सरकार विकल्प तलाश रही है। पिछले दिनों कैबिनेट बैठक में वित्त विभाग ने कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 से बढ़ाकर 65 साल करने का प्रस्ताव रखा था। बैठक में प्रस्ताव पर चर्चा के बजाय विकल्पों पर मंथन हुआ। यहां सरकार ने मार्च के बाद सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को संविदा नियुक्ति देने के संकेत दिए हैं। सरकार यह व्यवस्था अगले एक साल जारी रख सकती है।

ऑटोमोबाइल शोरूम पर ईओडब्ल्यू के छापे की रिपोर्ट इसी सप्ताह, हो सकता है केस दर्ज

भोपाल। अक्टूबर-नवंबर-2019 में बेचे गए चार पहिया वाहनों में टेक्स चोरी, और दस्तावेजों में हेरफेर की आशंका के चलते ईओडब्ल्यू ने आरटीओ के साथ दो ऑटोमोबाइल शोरुम पर मारे छापे की जांच रिपोर्ट इसी सप्ताह आएगी। ईओडब्ल्यू ने टेक्स चोरी, संबंधी जांच का जिम्मा आरटीओ को दिया था। 30 जनवरी को दो प्रतिष्ठित शोरुम के दफ्तरों में छापे मारकर गाडियों कि बिक्री, खरीदी- टेक्स आदि से संबंधित कागज जप्त किए थे। ईओडब्ल्यू को आशंका है कि शोरुम संचालकों ने अक्टूबर-नवंबर दो महीने में चार पहिया वाहन बेचने में टेक्स चोरी की है। टेक्स चोरी के लिए कारों की मूल कीमतों, बेची गई कीमतों और आरटीओ को चुकाए गए टेक्स आदि में भी हेरफेर की गई है। इनसे संबंधित दस्तावेज जप्त कर आरटीओ को रिपोर्ट बनाने का जिम्मा सौंपा गया है। अब तक की जांच में ईओडब्ल्यू को फैक्ट्री रेट, कंपनी रेट के दस्तावेजों में भिन्नता मिली है। लेकिन आरटीओ की रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। ईओडब्ल्यू की टीम ने जिंसी और गोविंदपुरा-जेके रोड स्थित एक शोरुम पर छापा मार कर दस्तावेज जप्त किए थे। जिनका परीक्षण आरटीओ से करवाया जा रहा है। ईओडब्ल्यू ने आरटीओ को जल्द रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। ईओडब्ल्यू के जांच अधिकारियों का कहना है कि आगामी सप्ताह में रिपोर्ट पेश कर दी जाएगी, जिसके आधार पर कार्रवाई की रुपरेखा बनाई जाएगी।

ठंड का कहर : सीवियर कोल्ड डे की चपेट में कई शहर

हरियाणा, पंजाब, राजस्थान समेत उत्तर पश्चिम से आ रही सूखी-सर्द हवा से बढ़ी ठंडक

जबकि दिन में यह 23.1 डिग्री रहा, 24 शहरों में रात का तापमान 5 से 10 डिग्री के बीच पहुंच गया

सोमवार सुबह मौसम साफ होने और धूप खिलने के बावजूद ठंडी हवाओं का प्रभाव ज्यादा देखने को मिला। अनुमान है कि, शाम तक एक बार फिर प्रदेश के कई इलाकों में शीत लहर चलेगी

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। राजस्थान की तरफ से आ रही उत्तरपश्चिमी सर्द हवाओं के कारण मध्य प्रदेश एक बार फिर शीतलहर की चपेट में हैं। इसी वजह से प्रदेश के कई इलाकों का तापमान बड़ी तेजी से गिर रहा है। रविवार रात को जहां सर्द हवाओं के कारण तापमान में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। वहीं, सोमवार सुबह मौसम साफ होने और धूप खिलने के बावजूद ठंडी हवाओं का प्रभाव ज्यादा देखने को मिला। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार रात को एक बार फिर प्रदेश के कई इलाकों में शीत लहर चलने की संभावना है। हालांकि, आगामी दिनों में कोई सिस्टम न होने के कारण मौसम शुष्क बना रहेगा। लेकिन उत्तर-पश्चिमी सिस्टम बना रहेगा, जिसके कारण सर्द हवाओं का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। साथ ही, हवा की रफ्तार भी बढ़ सकती है। ऐसी स्थिति में ठंड और बढ़ेगी, लेकिन ये ज्यादा समय तक नहीं रहेगी।

जिलों का न्यूनतम तापमान

मौजूदा समय में मौसम में हुए बदलाव के चलते तापमान में सबसे अधिक गिरावट रविवार रात को दर्ज की गई। इस दौरान पचमगढ़ी में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा था, जो बीती रात प्रदेश का सबसे कम दर्ज हुआ तापमान रहा। इसके अलावा, उमरिया में 4.5 डिग्री, रायसेन और बैतूल में 5.2 डिग्री, ग्वालियर में 6.3 डिग्री, भोपाल में 9.9 डिग्री, इंदौर में 11 डिग्री, जबलपुर में 7 डिग्री, दतिया में 6.1 डिग्री, खरगोन में 7.2 डिग्री, राजगढ़ में 8.5 डिग्री। प्रदेश के अधिकतर शहरों का तापमान 5 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच ही दर्ज किया गया। प्रदेश की राजधानी भोपाल के तापमान में रविवार से जारी उत्तर पश्चिमी सर्द हवाओं का अधिक असर रविवार से देखा जा रहा है। यहां सुबह और शाम को सामान्य से अधिक ठंड महसूस की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां दिनभर कोल्ड-डे की स्थिति रही। न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम रहा। धूप के बावजूद अधिकतम तापमान भी 22.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वहीं, प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में भी सोमवार सुबह से ही मौसम साफ होने के बावजूद ठंड का असर हावी नजर आ रहा है। यहां रविवार को तीखी धूप होने के बावजूद दिन में भी ठिठुरन महसूस की गई।वहीं, शाम होने तक सर्द हवाओं के कारण शहर की फिजा में ठिठुरन बढ़ा दी। शहर का अधिकतम तापमान तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 22.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा, पंजाब और राजस्थान से आ रही सूखी और सर्द हवा से प्रदेश फिर कड़ाके की ठंड से ठिठुर गया। रविवार को भोपाल में दिन और रात का तापमान सामान्य से 4 डिग्री नीचे पहुंच गया। रात का तापमान 8.1 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जबकि दिन में यह 23.1 डिग्री रहा। 24 शहरों में रात का तापमान 5 से 10 डिग्री के बीच पहुंच गया। यहां शीतलहर... इंदौर, जबलपुर, सागर, होशंगाबाद और रीवा संभागों के ज्यादातर शहरों व कस्बों में। अब आगे क्या... दो दिन बाद भोपाल, इंदौर समेत पश्चिमी मप्र में भी तापमान में मामूली ही बढ़ोतरी होगी, लेकिन ठंडक बनी रह सकती है।

इन जिलों में रहा कोल्ड-डे, तो इनमें सीवियर कोल्ड-डे

मौसम विभाग के मुताबिक, मौजूदा समय में मौसम में आए बदलाव का कारण उत्तर-पश्चिम की ओर से आ रही बर्फीली हवाएं हैं। इसके असर से प्रदेश के भोपाल, इंदौर, बैतूल, छिंदवाड़ा समेत कई शहरों में कोल्ड-डे ही रहा। वहीं, शिवपुरी में सीवियर कोल्ड डे रहा। इन शहरों में भी न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। इसके अलावा, अधिकतम तापमान भी सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस की कमी रिकॉर्ड हुई।सोमवार की ही तरह रविवार को भी धूप होने के बावजूद ठंड महसूस की गई। वहीं रीवा, जबलपुर, सिवनी, सागर, बैतूल, धार, खरगौन जिले में शीतलहर का प्रभाव रहा।

अमित शाह बनकर राज्यपाल को फोन लगाने वाले चंद्रेश को मिली जमानत

हाईकोर्ट ने दोनो आरोपियों को दी जमानत

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन से फोन पर कुलपति की नियुक्ति की सिफारिश करने वाले एयरफोर्स के विंग कमांडर कुलदीप वाघेला को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। साथ ही खुद को अमित शाह का पीए बताने वाले चंद्रेश कुमार शुक्ला को भी जमानत दे दी गई है।

ये था मामला...

दरअसल पिछले दिनों विंग कमांडर कुलदीप वाघेला द्वारा खुद को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बताकर मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन से फोन पर कुलपति की नियुक्ति की सिफारिश करने का मामला सामने आया था। जिसके बाद एसटीएफ ने एयरफोर्स के विंग कमांडर कुलदीप वाघेला को गिरफ्तार लिया। इस दौरान वाघेला के साथ भोपाल के जाने माने डेंटल सर्जन डॉ. चंद्रेश कुमार शुक्ला को भी पकड़ा। चंद्रेश कुमार शुक्ला ने फोन लगाकर खुद को शाह का पीए बताया था और राज्यपाल से बात कराई थी जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में कुलपति की चयन प्रक्रिया अधिसूचना 29 जुलाई 2019 को मध्यप्रदेश राजभवन से जारी हुई थी। कुलपति के पद के लिए चंद्रेश कुमार शुक्ला ने भी दावेदारी की थी। उनका तीन जनवरी को इंटरव्यू भी हो गया था। कुलपति बनने के लिए चंद्रेश कुमार शुक्ला ने कई राजनैतिक लोगों के जरिए सिफारिश लगवाई। साथ ही उन्होंने एक और सिफारिश के लिए नई दिल्ली एयरफोर्स हेडक्वार्टर में पदस्थ अपने पुराने मित्र विंग कमांडर कुलदीप वाघेला से संपर्क किया। यहां दोनों ने आपसी सहमति के बाद गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से पैरवी करने की साज़िश रची।

मैनिट-रजिस्ट्रार का पद भरने की प्रक्रिया पर विवाद, अपात्रों को शामिल करने की शिकायत

20 जनवरी के बाद से रुकी हुई है कवायद...

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) ने रजिस्ट्रार की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर जो शर्तें तय की थीं उनका पालन नहीं हो रहा है। इस पद पर 5 साल के कार्यकाल के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर पदस्थापनाकी आड़ में अपात्रों को मौका देने से बाकी आवेदकों में रोष है। डायरेक्टर नरेंद्र रघुवंशी के खिलाफ आवेदकों ने बोर्ड ऑफ गर्वनेंस को शिकायत की है। बीओजी में मामला जाने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया पर ब्रेक लगा हुआ है और प्रबंधन बगैर रजिस्ट्रार के संचालित हो रहा है। इस पद के लिए पात्रता के अनुसार आवेदकों ने 20 जनवरी 2020 तक आवेदन किए थे। आरोप है कि इसके बाद भी कई आवेदन जमा किए गए। बोर्ड ऑफ गर्वनेंस में पहुंचे शिकायती पत्र में आरोप है कि प्रबंधन अपात्र आवेदकों के दस्तावेज की जांच किए बगैर इन्हें प्रक्रिया में शामिल कर रहा है जबकि इन्हें स्क्रूटनी में ही निरस्त कर देना था। इस मामले में डायरेक्टर नरेंद्र रघुवंशी ने आरोपों से इंकार किया। मैनिट से जारी सूचना के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार की यूनिवर्सिटी, रिसर्च इंस्टीट्यूट व राष्ट्रीय महत्व के संस्थान व लैब में कार्यरत व्यक्ति इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार का 55 प्रतिशत अंकों के साथ पोस्ट ग्रेजुएशन होना जरूरी है।

जिनके शासनकाल में शौचालय तक भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये, वो शिवराज सिंह सिखा रहे हैं कमलनाथ सरकार को नैतिकता का पाठ: शोभा ओझा

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग की अध्यक्षा श्रीमती शोभा ओझा ने आज जारी अपने वक्तव्य में बताया कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अपने ट्वीट के जरिए यह कहा जाना कि 'मध्यप्रदेश प्रशासन में अराजकता का माहौल है। व्यवस्थाएं ध्वस्त हैं, ऐसा लग रहा है कि जनता के हित, कांग्रेस के राजनैतिक हितों की बलि चढ़ जाएंगे।' यह दरअसल शिवराज सिंह चौहान द्वारा अपने ही जंगलराज का विवरण देकर उसका वर्णन किया गया है, क्योंकि उनके पूरे कार्यकाल में व्यापमं, डंपर, अवैध खनन, सिंहस्थ, ई-टेंडरिंग, मध्यान्ह भोजन, पेंशन और पौधारोपण घोटाले तो हुए ही लगभग 540 करोड़ रुपये का स्वच्छ शौचालय घोटाला भी हुआ, जिसमे सरकार और अधिकारियों की मिलीभगत से 4 लाख 50 हजार शौचालयों को ही गायब कर दिया गया था। आज जारी अपने वक्तव्य में श्रीमती ओझा ने आगे बताया कि शिवराज सिंह चौहान का पूरा कार्यकाल ही घपलों और घोटालों का 'अंधकार-युग' था, जिसमें मंत्री, सरकार और अधिकारी शिवराज सिंह के खुले संरक्षण के कारण बेखौफ होकर भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। ओझा ने अपने बयान में आगे कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि मध्यप्रदेश को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) करने के झूठे दावों के साथ, पूरे-पूरे पृष्ठों के विज्ञापन, पिछली शिवराज सरकार ने समाचार-पत्रों में जारी किये थे, जिनकी पोल इस हालिया खुलासे के बाद खुल गई है कि प्रदेश में जितने शौचालयों के निर्माण की बात पिछली सरकार कह रही थी, उसमें से लगभग 540 करोड़ रुपये के 4.5 लाख शौचालय अस्तित्व में ही नहीं आये थे। इसका सीधा-सीधा अर्थ है कि प्रथम दृष्ट्या ही यदि लगभग 540 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया है तो यह निश्चित है कि विस्तृत जांच के बाद, यह आंकड़ा और बड़ा होगा। इस गंभीर खुलासे के बाद एक बात और पूरी तरह से स्पष्ट हो गई है कि शिवराज सिंह और मोदी जी के द्वारा खुले में शौच मुक्ति यानि ओडीएफ के दावे कितने खोखले थे।

स्मार्ट सिटी में मदद के साथ भोपाल आईजोल से ले सकता है सफाई और ट्रैफिक के सबक

भोपाल। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने मिजोरम की राजधानी आईजोल को भोपाल की सिस्टर स्मार्ट सिटी बनाया है। यानी भोपाल अपने अनुभव से आईजोल में स्मार्ट सिटी मिशन को लागू करेगा, लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि भोपाल को ट्रैफिक, महिला सशक्तिकरण और साफ-सफाई के मामले में आईजोल से सीखने की जरूरत है। दोनों शहरों की भौगोलिक और सांस्कृतिक स्थिति और जरूरतें अलग-अलग हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना लाजमी है कि भोपाल वहां स्मार्ट सिटी के किस प्रोजेक्ट कैसे मदद करेगा। मंत्रालय की स्मार्ट सिटी मिशन की रैंकिंग में भोपाल पांचवें नंबर पर है। हाल ही में मंत्रालय ने रैंकिंग के हिसाब से पहले 20 शहरों को अंतिम 20 शहरों से जोड़ा गया है। सफाई... आईजोल के सफाई अभियानों के फोटो बताते हैं कि वहां सार्वजनिक स्थानों की भी सफाई इस तरह से की जाती है जैसे वह निजी हो। वहां की सब्जी मंडियों में भी भोपाल जैसी गंदगी देखने को नहीं मिलती।

मोदी भक्तों तुम्हारा हिंदुत्व केवल हिंदुओं को मुसलमान-ईसाईयों के खिलाफ नफरत फैला कर वोट बटोरने का है

दिग्विजय सिंह ने पुलवामा हमले के शहीदों का मामला उठाया

कहा- शहीदों के परिजन को एक साल बीतने के बावजूद मदद नहीं मिली

कांग्रेस नेता सिंह ने कहा- मोदी समर्थकों का हिंदुत्व केवल हिंदुओं को अन्य धर्मों के खिलाफ नफरत फैलाकर वोट बटोरने का

भोपाल। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर से मोदी सर्मथकों पर निशाना साधा है। उन्होंने कई ट्वीट कर सीएए को लेकर सरकार पर हमला किया है। वहीं, उनके एक ट्वीट पर यूजर उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि ये लोग हिंदुत्व के नाम पर केवल नफरत फैला रहे हैं। इस नफरत के सहारे ही वोट बटोर रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि मोदी भक्तों तुम्हारा हिंदुत्व केवल हिंदुओं को मुसलमान-ईसाईयों के खिलाफ नफरत फैलाकर वोट बटोरने का है। पुलवामा में हुए शहीदों के परिवारों के बारे में एक साल हो जाने के बाद भी अभी तक उन्हें कोई मदद नहीं मिली। जरा सोचो। इसके नीचे उन्होंने एक पोस्टर भी डाला था जिसे ट्विटर ने आपत्तिजनक मानते हुए हाइड कर दिया। लेकिन ट्रोलर दिग्वजिय सिंह को खूब ट्रोल कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि सीसीए का विरोध सभी धर्मो के धर्म गुरु कर रहे हैं। मोदीशाह जी को सीएए कानून तत्काल वापस लेना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट से पहले राज्यसभा में भी मोदी सरकार पर हमला किया था। जहां उन्होंने एक शायरी पढ़ा था। कहा था कि मोदी सरकार की हर चाल, नफरत पर सिमटती है, कांग्रेस की हर एक बात, मोहब्बत का दम भरती है।

गौरतलब है कि दिग्विजय सिंह लगातार सीएए और एनआरसी का विरोध कर रहे हैं। वह दिल्ली से लेकर इंदौर तक में सीएए के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों का हिस्सा बन रहे हैं। यहां तक शाहीन बाग में भी वह सीएए के विरोध में प्रदर्शन करने गए थे। इस वजह से दिग्विजय सिंह विरोधियों के निशाने पर भी रहते हैं। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने इसे लागू करने से साफ इनकार कर दिया है।

कोरोना इम्पैक्ट

मोबाइल रिपेयरिंग 300 प्रतिशत तक महंगी, एलईडी-पंखे भी महंगे

चीन में कोरोना वायरस के कारण राजधानी के व्यापारियों का आना-जाना है बंद, इसलिए बढ़ गए हैं दाम

जनवरी में चीन का नववर्ष...इसके बाद कोरोना वायरस...नतीजा- स्टॉक खत्म, मार्च में होगी दामों में बढ़ोतरी

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल । अब आपको स्मार्टफोन की रिपेयरिंग 300त्र तक महंगी पड़ सकती है। स्मार्टफोन का जो डिस्प्ले 1200 रुपए का आता था, अब वह 2000 रुपए का पड़ेगा यानी 67त्र महंगा। इसी तरह फोन का टच खराब होने पर इसके लिए तीन गुना तक ज्यादा पैसे देने होंगे। दरअसल, चीन का वुहान शहर कोरोना वाइरस की चपेट में हैं। इसके चलते चीन से आना और जाना बंद हो गया है। राजधानी में करीब 1000 दुकानों में केवल स्मार्टफोन रिपेयरिंग का ही काम होता है। ज्योति टॉकिज चौराहा और न्यू मार्केट समेत करीब एक दर्जन से अधिक जगहों पर मोबाइल मार्केट बन गए हैं। इन मार्केट्स में दुकान का संचालन करने वाले कुछ व्यापारी हर 10 से 15 दिन में एक बार चीन जाकर ये पार्ट्स लेकर आते हैं। लेकिन पिछले एक माह में कोई भी व्यापारी चीन नहीं गया। मोबाइल रिपेयरिंग शॉप चलाने वाले निमेष सेन ने बताया कि पिछले 15 दिनों में स्मार्टफोन में लगाए जाने वाले अधिकतर पार्ट्स 60 से लेकर 300त्र तक महंगे हो गए हैं। आईटी और इलेक्ट्रानिक सामान बेचने वाले व्यापारियों की एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल सिंघल ने बताया कि डेस्कटॉप और लैपटॉप में काम आने वाले एसएसडी कार्ड और रैम की कीमतों में 20 से 30त्र तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। सिंघल ने बताया कि जनवरी में चीन का नववर्ष का जश्न था। अब कोरोना वाइरस के कारण माल नहीं आ रहा।

चीन से उद्योग यह मंगाते हैं

भेल: मेटल शीट, क्वाइल, कॉपर वायर

एचईजी: ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड बनाने के काम आने वाला सीपीसी कोक

फार्मा इंडस्ट्रीज: बेसिक ड्रग्स

इलेक्ट्रिकल सामान.. एलईडी लाइट्स, डेकोरेटिव लाइट्स, वॉल फैन चीन से आते हैं।

चीन से आवाजाही में रोक का असर केवल वहां दिखाई दे रहा है जहां व्यापारी या तो खुद जाकर माल लाते हैं या फिर किसी अन्य व्यापारी से माल बुलवाते हैं। चीन से कंटेनर बराबर आ जा रहे हैं। इसलिए अभी उद्योगों पर इसका असर नहीं पड़ रहा है। लेकिन स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर उसका असर उद्योगों पर भी दिखाई देगा।

डॉ. आरएस गोस्वामी, अध्यक्ष, एफएमपीसीसीआई, मप्र

संपादकीय

कागज पर कोहराम कब तक

नए नागरिकता कानून का विरोध थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। वैसे तो नए नागरिकता कानून को लेकर देश भर में छिटपुट विरोध प्रदर्शन हुए है लेकिन देश की राजधानी नई दिल्ली के शाहीन बाग में लगातार कुछ लोग सड़क को रोक कर धरना प्रदर्शन कर रहे है। डेढ़ माह से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन शाहीन बाग को राजनीति का अखाड़ा बनाने वाले लोग अभी भी वहां डटे हुए है। उनका कहना है कि हम कागज नहीं दिखाएंगे। शाहीन बाग में चल रहे तथाकथित आंदोलन के 8 फरवरी को नई दिल्ली विधानसभा चुनाव निपटने के बाद खत्म होने की उम्मीद थी लेकिन अभी भी शाहीन बाग में कागज न दिखाने वालों की भीड़ जुटी हुई है। इस बीच असदुद्दीन ओवैसी ने फिर भड़काउ भाषण दिया है कि वे भी कागज नहीं दिखाएंगे। अगर उसे कागज मांगा गया तो वे अपना सीना दिखाएंगे और कहेंगे कि लो गोली मार दो। जाहिर है कुछ नेता नए नागरिकता कानून के विरोध के नाम पर देश में दंगा फसाद कराने की कोशिश कर रहे है। सरकार ने कई बार स्पष्ट कर दिया है कि नए नागरिकता कानून ने किसी को देश से निकालने का कोई प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद नए नागरिकता कानून को लेकर भ्रम की स्थिति निर्मित की जा रही है और लोगों को सरकार के खिलाफ बरगलाया जा रहा है। नतीजतन शाहीन बाग का प्रदर्शन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि आंदोलन के नाम पर किसी सार्वजनिक सड़क पर कब्जा करना असंवैधानिक है। लेकिन शाहीन बाग वालों को सुप्रीम कोर्ट की भी परवाह नहीं है। अब चूंकि दिल्ली विधानसभा के चुनाव निपट चुके है और आज चुनाव परिणाम भी घोषित हो जाएंगे। इसके बाद शाहीन बाग को तत्काल प्रभाव से खाली कराना चाहिए। ताकि लाखों लोगों को इस आंदोलन के चलते जो असुविधा हो रहा है उससे उन्हे मुक्ति मिले। दिल्ली में जिसकी भी सरकार बने उसकी पहली प्राथमिकता शाहीन बाग को खाली कराना होना चाहिए।

विचार

जातीय आरक्षण के विरुद्ध फैसला

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय के एक अत्यंत महत्वपूर्ण फैसले पर देश के अखबारों और चैनलों का बहुत कम ध्यान गया है। फैसले का मैं इसलिए स्वागत करता हूं कि यह देश से जातिवाद को खत्म करने में बहुत मदद करेगा। फैसला यह है कि आप किसी भी सरकार को जाति के आधार पर नौकरियों में आरक्षण देने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। हमारे देश में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ों को आरक्षण देने की प्रथा चली आ रही है। सरकारी नौकरियों में इनकी संख्या इनके अनुपात में काफी कम है। उनके साथ सदियों से अन्याय होता रहा है। ये सब लोग मेहनतकश होते हैं। हाड़तोड़ काम करते हैं। हमारे राजनीतिक दलों ने इस अन्याय को ठीक करने के लिए एक बहुत ही सस्ता-सा रास्ता निकाल लिया है। वह है, सरकारी नौकरियों में उनके आरक्षण दे दिया जाए। कोई आदमी किसी पद के योग्य है या नहीं है, यदि वह अनुसूचित है या पिछड़ा है तो उसे उस पद पर प्रतिष्ठित किया जा सकता है। इन जातियों के लोगों ने इसे अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझ लिया था। लेकिन कुछ वर्ष पहले सर्वोच्च न्यायालय ने पिछड़ों में जो क्रीमी लेयर याने मलाईदार परत याने संपन्न लोग हैं, उनके आरक्षण को अनुचित बताया और अब उसने यह एतिहासिक फैसला दिया है कि अनुसूचितों को आरक्षण देना राज्य सरकारों की इच्छा पर निर्भर करेगा। यह अनिवार्य नहीं होगा। यह अनुसूचितों का मूलभूत अधिकार नहीं है। उसने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के 2008 में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया और कहा कि उत्तराखंड सरकार को पूरा हक है कि वह समस्त सरकारी पदों को बिना किसी आरक्षण के भर सके। संविधान की धारा 16 में आरक्षण संबंधी जो प्रावधान है, वह राज्य सरकारों को इस बात की छूट देता है कि वे अपनी जांच के आधार पर तय करें कि उन्हें कोई पद आरक्षित करने हैं या नहीं ? यही सिद्धांत पदोन्नतियों पर भी लागू होता है। मुझे विश्वास है कि सभी राज्य और केंद्र सरकारें इस फैसले पर सख्ती से अमल करेंगी। तब प्रश्न यह होगा कि हमारे करोड़ों पिछड़े, ग्रामीण, गरीब भाइयों को न्याय कैसे मिलेगा ? उनके साथ न्याय करना बेहद जरुरी है। राष्ट्र का यह नैतिक कर्तव्य है। दो तरीके हैं। पहला, उन सबके बच्चों के लिए शिक्षा, भोजन और वस्त्र मुफ्त दिए जाने चाहिए और दूसरा, मानसिक और शारीरिक श्रम की कीमतों में एक से दस गुने से ज्यादा फर्क नहीं होना चाहिए। वे अपनी योग्यता से आगे बढ़ेंगे। किसी की दया के मोहताज नहीं होंगे। स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण होगा।

टेक - ज्ञान

मार्च में लॉन्च होगा सस्ता आईफोन

नई दिल्ली। प्रीमियम स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ऐपल के आईफोन SE2 के बारे में कई लीक्स अभी तक सामने आ चुके हैं। यह कंपनी का अफोर्डेबल आईफोन होगा। अभी तक सामने आई कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया गया है कि इस आईफोन को आईफोन 9 भी नाम दिया जा सकता है।

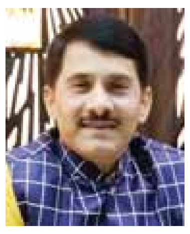

डॉ शिशिर उपाध्याय

आरबीआई की राहत का इंतजार ?

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साल की पहली मौद्रिक नीति में मुख्य ब्याज दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। तमाम बैंक इसी दर पर आरबीआई से कर्ज उठाते हैं और यह 5.15 फीसदी पर ही स्थिर रहेगी। ऐसे में कर्ज लेने वालों को भारत के केंद्रीय बैंक की तरफ से कोई राहत नहीं मिलने जा रही है, हालांकि इसे भी आरबीआई का नरम रुख माना जा रहा है।

रिजर्व बैंक का कहना है कि वृद्धि दर की तुलना में मुद्रास्फीति की तेज रफ्तार को देखते हुए उसने रेपो रेट में कटौती न करने का फैसला किया। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच दूध और दालों की कीमत में बढ़ोतरी के कारण जनवरी-मार्च तिमाही के लिए खुदरा महंगाई का अनुमान बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया गया है। आरबीआई ने इसे बहुत अनिश्चित बताते हुए कहा कि भविष्य में खुदरा महंगाई का अनुमान खाद्य महंगाई, कच्चे तेल की कीमत और सेवाओं के लिए इनपुट लागत के आधार पर लगाया जाएगा। वैसे उसने माना कि रबी फसलों के बाजार में आने से खाद्य महंगाई की दर दिसंबर में दर्ज उच्च स्तर से नीचे आएगी।

आरबीआई के मुताबिक वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 6.2 फीसदी रह सकती है। मौद्रिक नीति में कमर्शल रीयल्टी लोन लेने वालों के लिए बड़ा निर्णय किया गया है। उचित कारणों से हुई देरी पर अब लोन डाउनग्रेड नहीं होगा। यानी अगर कोई डिवेलपर किसी वजह से कर्ज समय पर नहीं चुका पाता है तो उसके कर्ज को एक साल तक एनपीए घोषित नहीं किया जाएगा। रीयल्टी सेक्टर को इससे काफी राहत मिली है और कारोबारी जगत ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई है। पॉलिसी के ऐलान के बाद शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों निफ्टी और सेंसेक्स में उछाल देखने को मिला। रिजर्व बैंक का रुख चूंकि नरमी का है, इसलिए आगे ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बनी हुई है।

बढ़ती हुई मुद्रास्फीति को देखते हुए विश्लेषकों को लग रहा था कि 2019 में रेपो रेट में रिकॉर्ड पांच बार कटौती करने के बाद रिजर्व बैंक नए साल की शुरुआत ब्याज में सख्ती के साथ कर सकता है। अनुमान था कि 2020-21 में उसे बढ़े राजकोषीय घाटे का दबाव झेलना पड़ेगा इसलिए रेपो रेट बढ़ाना उसके लिए अधिक स्वाभाविक है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को बढ़ाकर जीडीपी का 3.8 फीसदी कर दिया है। पहले इसे 3.3 प्रतिशत रखा गया था। आरबीआई ने अनुमान जाहिर किया कि कारोबारी साल 2020-21 में मॉनसून सामान्य रहेगा, जिससे अगले कारोबारी साल की पहली छमाही में खुदरा महंगाई दर घटकर 5.0-5.4 फीसदी पर और अगले कारोबारी साल की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2020) में और घटकर 3.2 फीसदी पर आ सकती है। बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2020-21 में देश की जीडीपी ग्रोथ छह फीसदी रहेगी, जबकि उसके पहले छह महीने में वृद्धि दर 5.5 फीसदी से छह फीसदी रहने का अनुमान है।

नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करके इस बात का संकेत दिया है कि वह महंगाई पर नजर रखे हुए है और आने वाले दिनों में भी खुदरा महंगाई बढ़ने को लेकर जो अनिश्चितता बनी हुई है, उसे देखते हुए नीतिगत दरों में और कटौती संभव नहीं है। उम्मीद तो यह की जा रही थी कि मंदी के माहौल से निपटने के लिए रिजर्व बैंक एक बार और नीतिगत दरों में कटौती का कदम उठा सकता है। पर पिछले महीने खुदरा महंगाई साढ़े सात फीसद के जिस उच्चस्तर पर चली गई थी, उसे देखते हुए रिजर्व बैंक ने यह कदम उठाने से परहेज किया। हालांकि केंद्रीय बैंक ने इस बात का संकेत दिया है कि अगर आने वाले दिनों में महंगाई कम होती है तो वह नीतिगत दरों में और कटौती के बारे में सोच सकता है। साथ ही, रिजर्व बैंक ने यह भी साफ कर दिया है कि ब्याज दरों में कटौती के लिए अब नीतिगत दरों पर निर्भर नहीं रहा जाएगा, बल्कि कर्ज सस्ता करने और कर्ज का प्रवाह बढ़ाने के लिए दूसरे उपाय किए जाएंगे। रिजर्व बैंक का यह फैसला महंगाई को काबू करने के लिहाज से बड़ा कदम है।रिजर्व बैंक के समक्ष चुनौतियां काफी हैं। आर्थिक मंदी से निपटने के लिए उद्योग जगत को तैयार करना है। केंद्रीय ने ब्याज दरें घटाने के लिए और छोटे उद्योगों सहित आम उपभोक्ताओं को मकान और वाहन खरीदने के लिए कर्ज देने के लिए जो उपाय किए गए हैं, उनसे बाजार में जान आने की उम्मीद है। सस्ता कर्ज देने में बैंक झिझकें नहीं, इसके लिए केंद्रीय बैंक ने व्यावसायिक बैंकों के लिए नगद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) संबंधी नियम में ढील दी है। इसके अलावा बैंकों को एक लाख करोड़ की रकम बहुत ही कम दर पर एक से तीन साल तक के लिए देने का फैसला किया है। अगर ये कवायद सफल रहती है तो उम्मीद है उद्योगों का पहिया चल निकलेगा और मांग भी निकलेगी। पर अभी कुछ महीने तो महंगाई पीछा नहीं छोड़ने वाली।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति रेपो और रिवर्स रेपो दरें करती है। पर इस बार रेपो दर को पिछले स्तर यानी 5.15 फीसद पर ही स्थिर रखने का फैसला किया गया। केंद्रीय बैंक ने आने वाले दिनों में महंगाई के जो अनुमान व्यक्त किए हैं, उससे लग रहा है कि महंगाई की मार से जल्द ही पिंड नहीं छूटने वाला। हालांकि दिसंबर-जनवरी के मुकाबले थोड़ी नरमी की उम्मीद जरूर है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में प्याज के दाम और नीचे आएंगे, इसलिए चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में महंगाई का जोर कम पड़ेगा। पर मामला प्याज और सब्जियों-फलों तक सीमित नहीं है। पिछले दिनों गैस सिलेंडर, दूध, दालें, अंडा, मांस-मछली जैसे खाद्य पदार्थों के दाम भी बढ़े थे, जिनसे महंगाई बढ़ी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राजेंद्र कानूनगो

क्या वर्तमान डीजीपी हट ही जाएंगे ?

सरकार में कानून व्यवस्था को लेकर लगभग कुछ ठीक नहीं चल रहा । प्रदेश के मुखिया और पुलिस के खास के बीच दूरियां बढ़ती रही हैं। दोनों के बीच सामंजस्य बचा ही नहीं है। डीजीपी को हटाने तक की बात सामने आ रही है। ऐसे हालात में प्रदेश में कानून व्यवस्था के हालात सुधारने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है। अब तो डीजीपी वीके सिंह का हटना तय से हो गया है।

डीजी साइबर और हनी ट्रैप मामले की जांच कर रही एसआईटी के प्रमुख राजेन्द्र कुमार नए डीजी बनेंगे, इसमें संदेह नहीं रहा। सरकार ने इस पद के लिए यूपीएससी द्वारा भेजे पैनल को अस्वीकार कर दिया है। सोमवार को इस बारे में हाईकोर्ट में राज्य सरकार को उत्तर देना है । आशा है कि इसी दिन सरकार नया एसआईटी प्रमुख बनाए जाने की अनुमति हाईकोर्ट से मांगेगी। इसके बाद किसी भी दिन नए डीजीपी के नाम की घोषणा हो सकती है। सिंह की पदस्थापना कहां होगी, यह अभी निश्चित नहीं है। वे एक साल की कांग्रेस सरकार में हटाए जाने वाले दूसरे डीजीपी हो सकते हैं। इससे पहले ऋषि कुमार शुक्ला को हटाया गया था। बाद में शुक्ला सीबीआई डायरेक्टर बने। सरकार और सिंह के बीच चार महीने से खींचतान चल रही है और मुख्यमंत्री डीजीपी की कार्यशैली से काफी नाराज बताए जा रहे हैं। हाल ही में राजगढ़ की कलेक्टर को लेकर पुलिस की जांच रिपोर्ट के बाद यह अनबन और बढ़ गई है। वीके सिंह से मुख्यमंत्री कमलनाथ इतने नाराज हैं कि उन्होंने पिछले लगभग 25 दिनों से उन्हें मिलने का समय ही नहीं दिया गया। यह नाराजी किस बात को लेकर है ? पता नहीं।सीएम डीजीपी से क्या चाहते हैं? यह बात अभी तक स्पष्ट नहीं । आश्चर्य है कि पुलिस के मुखिया से मिलने के लिए सीएम के पास वक्त ही नहीं है ?

इधर सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ. गोविंद सिंह डीजीपी वीके सिंह के समर्थन में हैं। उन्होंने कहा है कि वे अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। मतलब साफ है कि सरकार के मंत्रियों और सीएम के बीच बिल्कुल सामंजस्य नहीं है। कौन किसको हटा रहा है। कौन किसको रख रहा है, भ्रम की स्थिति है। वैसे भी डीजीपी का कार्यकाल अच्छा माना गया है। लगता है सरकार को ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी ही पसंद नहीं हैं। वैसे वीके सिंह को हटाए जाने के पीछे ये तीन बड़ी वजहें बताई जा रही हैं- राजगढ़ कलेक्टर थप्पड़ कांड में कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई को लेकर लिखे डीजीपी के पत्र से सीएम नाराज थे। दूसरी- हनी ट्रैप मामले की जांच के लिए डीजीपी ने सरकार को भरोसे में लिए बिना एसआईटी चीफ बना दिया था। सरकार ने 48 घंटे में एसआईटी चीफ बदला। तीसरी- पुलिस कमिश्नर प्रणाली को लेकर आईएएस और आईपीएस अफसरों के बीच खींचतान उजागर हुई थी। अब सीएम को यह तो समझना चाहिए कि प्रदेश में पहले से ही कानून व्यवस्था ठीक नहीं है और यदि पुलिस के प्रमुख से ऐसा बर्ताव होगा तो कहां तक उम्मीद की जा सकती है कि कानून व्यवस्था बेहतर होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

भद्दी कहानी और नही

अगर 'शिकारा' केवल एक प्रेम कहानी है, तो इससे भद्दी कहानी और नही हो सकती कुछ भी। तब अपने ज़मीर के साथ-साथ कश्मीरी हिन्दुओं की पीड़ा को भी बेच देने के लिए विधु विनोद की मलानत होनी चाहिये। मुजम्मत और मरम्मत भी। - **पंकज कुमार झा**

स्त्री का प्रेम

स्त्री का प्रेम ... पूरे पृष्ठ पे रहता है और जिंदगी के तमाम कार्य हाशिये पर और पुरुष का प्रेम हाशिये पर रहता है तथा तमाम कार्य पृष्ठ पर ... उसके लिए किसी के व्यक्तिगत प्रेम से बढ़कर ...सामाजिक-विजय की कामना होती है??...उसे किसी का प्रेम भी इसलिए चाहिए ताकि सामाजिक-विजय के लिए ऊर्जा मिलती रहे??

- तनु युग भारद्वाज

खास पाती | शायद कांग्रेस के खेल ने भी

शायद कांग्रेस के ' खेल ' ने भी आप पार्टी को अच्छा फायदा पहुंचाया और यह खेल प्रियंका वाड्रा के दिमाग की उपज थी । कांग्रेस अब एक नई तरह की नकारात्मक राजनीति करने लगी है इसका लाभ भी उसे कुछ राज्यों मे मिला है और भाजपा को नुकसान । संभवतः भाजपा दिल्ली मे कांग्रेस की इस खामोशी के खेल को समय रहते समझ नही पाई । बहरहाल देखते हैं क्या आता है वास्तविक चुनाव परिणाम ।

- एल.एस. बिष्ट

जहर की खेती देखी है कभी...

जहर की खेती देखी है कभी आजकल कितनी बोई जा रही है हर तरफ. सोच जहरीली बाते जहरीली आदमियत तक जहरीली हो चुकी है यहा तक क कि मासूम बच्चो के मुंह से भी अब जहर टपकने लगा है कहा: लेके जा रहे ??और क्या पाना चाह रहे?? ऐसा ना हो कि ये जहर एक दिन सब कुछ खत्म कर दे. जिसे देख ये सत्ता के लोलूप भेड़िए..उच्ची अटालिका पर बैठ सिर्फ जहरीला अट्टहास करते रहे। - **मोनिका अस्थाना**

जब भी चुनाव होता है मतदाता मतदान करते हैं

जब भी चुनाव होता है मतदाता मतदान करते हैं जीतने वाला जीतता है हारने वाले हारते हैं पर चुनाव परिणाम आते तक डरा सहमा बेचारा ई.वी.एम. होता है क्यों ??? वी.वी.पेट.साथ होता है , फ़िर भी सवालों से घिरा होता है क्यों ??? चुनाव परिणाम पक्ष में तो ई.वी.एम. अच्छा न आए तो ई.वी.एम. ख़राब बेचारा!!!! ई.वी.एम.!!!

- वर्षा ठाकुर

पदचाप से तुम्हारे आने का एहसास

पदचाप से तुम्हारे आने का एहसास हो जाता है ... दिल फूलों सा खिल जाता है तुम्हारे पदचाप से ही बच्चों के चेहरे पर मीठी मुस्कान बिखर आती है ... चाकलेट का स्वाद जिव्हा पे उतर आता है ... और मुनिया दौड़कर पप्पा आ गये ' कहकर गले से लिपट जाती है मेरा रोज डे और मुनिया का चॉकलेट डे और हग डे फरवरी में ही नही ... साल भर मनता है !

- वंदनागोपाल शर्मा शैली

मिटा खामोशियाँ सब,खत्म इक दुश्वार

मिटा खामोशियाँ सब,खत्म इक दुश्वार करता हूँ दिली अहसास होटो से बयाँ इस बार करता हूँ कभी जो कह नही पाया वही मैं कह रहा आखिर, तुम्ही से प्यार करता था तुम्ही से प्यार करता हूँ।

- गोविंद शर्मा

प्रेम को अहम से जोड़ दिया जाता हैं

प्रेम को अहम से जोड़ दिया जाता हैं और किसी द्वारा नापसंदगी को पुरुषत्व पर चोट के रूप में !!! तब होते हैं हमले तेज़ाब के और कराया जाता हैं अहसास ना कितना कष्टदायी हो सकता है एक स्त्री के लिए !!

- सीमा राय द्विवेदी

बने करे धरती म उतर आये बसंत कतकों के

बने करे धरती म उतर आये बसंत कतकों के दुख-पीरा मिटा दिये बसंत ओ जाड़ के महीना टोर देथे तन ल बिन पानी के चिभोर देथे मन ल ठउका आयेस ठुनठुनी के कर दिए अंत... बने करे।

- कवि सुशील भोले

लघु कथा- सब्ज़ी मेकर

इस दीपावली वह पहली बार अकेली खाना बना रही थी। सब्ज़ी बिगड़ जाने के डर से मध्यम आंच पर कड़ाही में रखे तेल की गर्माहट के साथ उसके ह्रदय की गति भी बढ रही थी। उसी समय मिक्सर-ग्राइंडर जैसी आवाज़ निकालते हुए मिनी स्कूटर पर सवार उसके छोटे भाई ने रसोई में आकर उसकी तंद्रा भंग की। वह उसे देखकर नाक-मुंह सिकोड़कर चिल्लाया, ममा दीदी बना रही हैज मैं नहीं खाऊंगा आज खाना! सुनते ही वह खीज गयी और तीखे स्वर में बोली, चुप कर पोल्यूशन मेकर, शाम को पूरे घर में पटाखों का धुँआ करेगा। उसकी बात पूरी सुनने से पहले ही भाई स्कूटर दौड़ाता रसोई से बाहर चला गया और बाहर बैठी माँ का स्वर अंदर आया, दीदी को परेशान मत कर, पापा आने वाले हैं, आते ही उन्हें खाना खिलाना है। लेकिन तब तक वही हो गया था जिसका उसे डर था, ध्यान बंटने से सब्ज़ी थोड़ी जल गयी थी। घबराहट के मारे उसके हाथ में पकड़ा हुई मिर्ची का डिब्बा भी सब्ज़ी में गिर गया। वह और घबरा गयी, उसकी आँखों से आँसू बहते हुए एक के ऊपर एक अतिक्रमण करने लगे और वह सिर पर हाथ रखकर बैठ गयी। उसी मुद्रा में कुछ देर बैठे रहने के बाद उसने देखा कि खिड़की के बाहर खड़ा उसका भाई उसे देखकर मुंह बना रहा था। वह उठी और खिड़की बंद करने लगी, लेकिन उसके भाई ने एक पैकेट उसके सामने कर दिया। उसने चौंक कर पूछा, क्या है? भाई धीरे से बोला, पनीर की सब्ज़ी है, सामने के होटल से लाया हूँ। उसने हैरानी से पूछा, क्यूँ लाया? रूपये कहाँ से आये? भाई ने उत्तर दिया, क्रैकर्स के रुपयों सेज थोड़ा पोल्यूशन कम करूंगा और क्यूँ लाया! अंतिम तीन शब्दों पर जोर देते हुए वह हँसने लगा।

आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1613 - मुगल बादशाह जहांगीर ने ईस्ट इंडिया कंपनी को सूरत में कारखाना लगाने की अनुमति दी। 1720 - स्वीडन तथा प्रशिया के बीच शांति समझौता। 1793 - प्रशिया की सेना ने नीदरलैंड के वेनलो पर कब्जा किया। 1814 - यूरोपीय देश नॉर्वे ने स्वतंत्रता की घोषणा की। 1889 - जापान में मेजी संविधान को अंगीकार किया गया। 1919 - फ्रेडरिक एबर्ट जर्मनी के राष्ट्रपति चुने गये। 1953 - सोवियत संघ ने इजरायल के साथ कूटनीतिक संबंध तोड़े। 1964 - ताइवान ने फ्रांस के साथ कूटनीतिक संबंध तोड़े। 1968 - जनसंघ के संस्थापक पंडित दीन दयाल उपाध्याय की मुगलसराय में हत्या। 1979 - ईरान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया, सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खमनेई का सत्ता पर कब्जा।

एम्स में ब्लड डोनेशन पर ओपीडी समेत मिल रहीं कई प्राथमिकताएं

चिकित्सा अधीक्षक पिपरे ने जागरूकता बढ़ाने पर दिया जोर

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स के ब्लड बैंक के लिए रक्तदान करने वालों को एम्स की ओर से कई प्राथमिकताएं दी जा रही हैं। इनमें रक्तदान करने वालों को ओपीडी व रक्त लेने में सुगमता प्रमुख हैं। गौरतलब है कि एम्स के ब्लड बैंक में नियमित रूप से लगभग 25 से 30 यूनिट रक्त ही उपलब्ध हो पा रहा है, जबकि यहां रोगियों के दबाव को देखते हुए लगभग 75 से 100 यूनिट रक्त सदैव उपलब्ध रहना चाहिए। अभी अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करके इस कमी की पूर्ति की जा रही है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. करन पीपरे का कहना है कि एम्स में रक्तदान के लिए कई संगठन आगे आ रहे हैं मगर इस जागरूकता को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। जन्म दिवस, जयंती कार्यक्रमों, स्थापना दिवस और अन्य विशेष मौकों पर सामाजिक संगठन नियमित रक्तदान के लिए शिविर लगा सकते हैं इसमें एम्स हर संभव योगदान देने को तैयार है।

सोमवार को 35 यूनिट रक्तदान : इसी कड़ी में एक निजी कंपनी के कर्मचारियों ने आगे बढ़कर सोमवार को एम्स में 35 यूनिट रक्तदान किया। कंपनी के कर्मचारी रक्तदान के लिए काफी उत्साहित थे। डॉ. पीपरे ने रक्तदाता कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि इसकी वजह से कई रोगियों का तुरंत उपचार संभव हो पाएगा।

जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया भी करेगा शिविर का आयोजन : रक्तदान शिविर में डॉ. रमेश चंद्राकर, डॉ. मीनल वासनिक, डॉ. सौरभ, मनीष पाठक, डॉ. रौनक दुबे, डॉ. अंकित जैन आदि ने भाग लिया। एम्स के लिए जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और एमिटी विश्वविद्यालय भी रक्तदान शिविर आयोजित करने जा रहे हैं।

एक वर्ष तक के लिए प्राथमिकता

ब्लड बैंक के संयोजक डॉ. संकल्प शर्मा ने बताया कि एम्स में रक्तदान करने वालों को ओपीडी में उपचार के लिए एक वर्ष तक प्राथमिकता दी जाती है। उनके लिए विशेष काउंटर पर पंजीयन सुविधा प्रदान की जाती है। रक्तदाता को एक वर्ष तक और उसके संबंधी को तीन माह की अवधि तक रक्त की आवश्यकता होने पर ब्लड बैंक से रक्त की आपूर्ति की जाती है।

ग्राम पंचायतों का प्रथम सम्मेलन 11 फरवरी को

रायपुर। पंचायत आम निर्वाचन के बाद ग्राम पंचायतों में नवनिर्वाचित सरपंच और पंचों का प्रथम सम्मिलन 11 फरवरी को होगा। वे इस दिन अपना पदभार ग्रहण करेंगे। ग्राम पंचायतों में उपसरपंच का निर्वाचन 24 फरवरी को किया जाएगा। 11 फरवरी को प्रथम सम्मिलन के साथ ही उपसरपंच के निर्वाचन के लिए पंचों को सूचना जारी की जाएगी। महासमुंद जिले को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों में 11 फरवरी को पंचायतों का प्रथम सम्मिलन और 24 फरवरी को उपसरपंच का निर्वाचन होगा। महासमुंद जिले में उपसरपंच के निर्वाचन के लिए पंचायत का सम्मिलन 20 फरवरी को होगा। जिले के बसना, पिथौरा, बागबाहरा और महासमुंद जनपद पंचायत में ग्राम पंचायतों का प्रथम सम्मिलन 28 फरवरी को और सराईपाली जनपद पंचायत में 3 मार्च को आयोजित होगी।

पंचायतीराज को मजबूती प्रदान करें - ताम्रध्वज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी राजिम में 9 फरवरी को नवनिर्वाचित पंच-सरपंचों के सम्मेलन में धर्मस्व मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि प्रदेश में पंचायतीराज को मजबूती प्रदान करने में नवनिर्वाचित पंच-सरपंच अपनी अहम भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि अपने कृतित्व से पंच परमेश्वर की पुरातन परम्परा को गांव में फिर से स्थापित करें। प्रभारी मंत्री श्री साहू ने गांव में कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने और युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही गांव के विकास हेतु पंच-सरपंच को आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो, साथ ही प्राथमिकता के क्रम पर समाज के अंतिम व्यक्ति को पहले लाभान्वित किया जाए। श्री साहू ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि यह सुनिश्चित करे कि गांवों में भी छत्तीसगढ़िया संस्कृति की झलक दिखे।

उन्होंने नवनिर्वाचित पंचायत

महीनों बाद ट्रैफिक नियमों का सख्ती से ऐसे हुआ पालन की लग गया हुजूम

रूल्स ब्रेक करने वालों से यूं जूझती रही पुलिस

विशेषकर दुपहिया वाहन वाले हुए टारगेट, राजधानी के 10 चौक-चौराहों में चेक पॉइंट

एसएसपी के निर्देश के बाद नो एक्सक्यूज मूड

नव प्रदेश संवादाता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शेख आरिफ हुसैन का यातायात को लेकर अभियान छेड़ने के निर्देश के बाद ट्रैफिक पुलिस आज नो एक्सक्यूज मूड पर दिखी। अब तक सीसीटीवी कैमरे के भरोसे चल रही कैपिटल पुलिसिंग महीनों बाद जमीनी तौर पर वाहन चालकों से जद्दोजहद करती दिखी। पूरे जांच अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों को पुख्ता करने के साथ ही वाहन चालकों की सुरक्षा और साथ में राजस्व वसूली भी टारगेट था। खासकर सिग्नल तोड़ने, बिना हेलमेट गाड़ी चलाने और वाहनों के प्रॉपर दस्तावेज नहीं रखने वालों को फाइन किया गया। बाकायदा इसके लिए दस चेक पॉइंट शहर के विभिन्न चौक-चौराहों में बनाया गया था। रास्तों के दोनों तरफ हर चेक पॉइंट में ट्रैफिक पुलिस ने मोर्चा बंदी कर रखा था ताकि रूल्स ब्रेक कर भागने वाले बच न सकें। चौंकाने वाली बात तो यह कि सिग्नल पर साइड टर्निंग वालों पर भी कार्रवाई की गाज गिरी। शंकर नगर, घड़ी चौक(खजाना तिराहा), तेलीबांधा, कालीबाड़ी में ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई के हत्थे सैकड़ों लोग चढ़े और वहां वाहन-चालकों का हुजूम लगा रहा। पूरी कार्रवाई के दौरान अप्रिय घटना को देखते हुए बाकायदा वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी की गई।

कई स्थानों पर हुई तू-तू, मैं-मैं

शंकर नगर चौक से लेकर नगर घड़ी चौक तक जांच टीम से वाहन चालकों की तीखी नोकझोंक भी हुई। कार्रवाई से बचने और खुद को सहीं साबित करने के लिए ट्रैफिक ड्यूटी में तैनात स्टाफ से कार्रवाई के घेरे में आए वाहन चालक उंगली दिखाकर चेतावनी भी देते रहे। लेकिन, किसी भी तरह के दबाव में ट्रैफिक पुलिस नहीं आई और निर्बाध तरीके से यातायात अभियान पूरी सख्ती से लागू हुआ।

कार्रवाई से ही जागरूकता आएगी-डीएसपी ठाकुर

यातायात डीएसपी सतीश ठाकुर ने कहा वाहन चालकों को ई-चालान भेजा गया, हर सिग्नल पर नियम पालन करने को कहा गया और हेलमेट सहित दस्तावेज व लाइसेंस रखकर चलने की अपील भी की जाती रही है। आज यातायात पुलिस सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान लोगों को कार्रवाई के माध्य से अब जागरूक किया जा रहा है। वे हेलमेट पहनकर बाइक चलाए। इसके पूर्व भी हम हर हेड हेलमेट अभियान चलाए थे। जिसके तहत 25 हजार हेलमेट बांटे गए थे लेकिन उसके बावजूद भी देखा गया कि लोग हेलमेट नहीं पहन रहे हैं। हम संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि जब तक एम्फोर्समेंट नहीं होगा लोगों को कितना भी जागरूक कर ले लोग नियमों का पालन नहीं करते हैं. इसलिए आज एम्फोर्समेंट की कार्रवाई करते हुए 10 चौकों पर एक अलग-अलग पेट्रोलिंग टीम लगाई गई है। प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। क्रेन पेट्रोलिंग लगाई गई है और थाना की टीम अलग से लगाई गई है। इन सब के साथ हम हर चौक पर एम्फोर्समेंट की कार्रवाई कर रहे हैं और यह कार्रवाई आने वाले समय पर भी लगातार जारी रहेगा।

25 हजार हेलमेट बंटे पर सब बेकार

हादसे में जान की हिफाजत के लिए रायपुर पुलिस ने 25 हजार मुफ्त हेलमेट बांटा था। लेकिन चंद महीनों बाद ही वाहन चालकों में से ज्यादातर बिना हेलमेट के गाड़ी चलाते आज पकड़े गए। वहीं यातायात सप्ताह के तहत सख्त जांच अभियान शुरु करने से पूर्व ही पुलिस ने अपील कर कार्रवाई की चेतावनी दे दी थी। बावजूद इसके लोग ट्रैफिक रूल्स के प्रति गंभीर नहीं दिखाई दिए और आज उन्हें यातायात पुलिस का सख्त रवैय्या सहना पड़ा।

इन नियमों पर घिरे सब

0 तीन सवारी, 0 रॉग साईड, 0 बिना हेलमेट, 0 बिना नंबर प्लेट, 0 स्टैंडर्ड नंबर प्लेट से छेड़छाड़, 0 ग्रामीण परमिट वाहन शहर में चलाने वाले, 0 वाहनों के दस्तावेज नहीं होने पर, 0 लाईसेंस साथ नहीं होने पर, 0 स्कूली छात्र-छात्राओं पर, 0 तेज रफ्तार वाहनों

इन 10 चौक-चौराहों पर हो रही कार्रवाई

जिन चौक-चौहारों पर यातायात पुलिस कार्रवाई कर रही है, उनमें शारदा चौक, जय स्तम्भ चौक, घड़ी चौक, भगत सिंह चौक, तेलीबांधा चौक, रेलवे स्टेशन चौक, टर्निंग पाइंट चौक, पंडरी बस स्टैंड चौक समेत 10 चौक पर चोकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

संविदा और ऑर्बिट्रेशन पर एनएमडीसी की कार्यशाला संपन्न

समापन अवसर पर मेहता ने बताए आर्बिट्रेशन से बचने के सूत्र

हैदराबाद/नव प्रदेश। संविदा व ऑर्बिट्रेशन पर एनएमडीसी की दो दिवसीय कार्यशाला का सोमवार को सफलता पूर्वक समापन हो गया। कार्यशाला में निविदा व संविदा के निष्पादन को लेकर चर्चा सत्र व फैकल्टी द्वारा प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभवों का आदान-प्रदान किया गया, ताकि उक्त विषयों पर उनके डाउट क्लीयर हो सकें। शनिवार को शरद कुमार, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त, भारत सरकार ने एनएमडीसी के सीएमडी आईएएस एन. बैजेंद्र कुमार व कंपनी के डायरेक्टर्स तथा सीवीओ की उपस्थिति में हैदराबाद में कार्यशाला का उद्घाटन किया था। समापन समारोह के मुख्य अतिथि आलोक कुमार मेहता, डायरेक्टर (कमर्शियल) एनएमडीसी ने कहा कि ऑर्बिट्रेशन से बचने का सूत्र यही है कि निविदा की शर्तों को अच्छी तरह से परिभाषित किया जाए साथ ही इसमें व्यापक स्पष्टता हो और दस्तावेजीकरण के स्तर में सुधार हो।

पेशेवरों को संविदा निष्पादन में मिलेगी मदद : श्रीनिवास- एनएमडीसी के सीवीओ वीवीएस श्रीनिवास ने कहा कि यह कार्यशाला पेशेवरों को संविदा के निष्पादन के वक्त फैसले लेने के लिए सार्थक साबित होगी और उनका मार्गदर्शन करेगी। इससे पेशेवरों की इस बात को लेकर समझ और मजबूत होगी कि संविदा प्रदान करने व इनके निष्पादन के वक्त क्या करना है और क्या नहीं करना है। कार्यशाला में पीएसयू के 100 से अधिक अधिशासियों ने भाग लिया। इनमें मिश्र धातु निगम (मिधानी), भारत डॉयनॉमिक्स लिमिटेड (बीडीएल), इलेक्टॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (ईसीआईएल) के प्रतिभागी भी शामिल थे।

प्रथम बजट के बाद आयकर अधिनियम की बारीकियां समझने जुटे सीए और आयकर सलाहकार

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के प्रथम बजट में आये विभिन्न आयकर अधिनियम एवं नए कर प्रावधानों को समझने के लिए आज शहर के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स व आयकर सलाहकारों के लिए सेमिनार का आयोजन किया। यह आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स रायपुर शाखा द्वारा रखी गई थी। इसमें करीब 200 से अधिक सीए एवं इनकॉम टैक्स एडवाइजरों ने पार्टीसिपेट किया।

सैकड़ों धाराओं में सरकार ने किया परिवर्तन

वक्ता के रूप में इंदौर से आए सीए राजेश मेहता ने नए अधिनियमों एवं नए कर की बारीकियों के बारे में काफी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बजट 2020 में 100 से ज्यादा धाराओं में सरकार ने परिवर्तन किए हैं। उन्होंने बताया कि जितनी भी चैरिटेबल ट्रस्ट या समितियां, शैक्षिणिक संस्थान, वैज्ञानिक कार्य में जुटे संस्थान है, जो कि आयकर में छूट के लिए पंजीकृत थी, उनको एक बार फिर से ऑनलाइन पंजीयन करवाना पड़ेगा। हालांकि इस बार उनका पंजीयन 5 वर्ष के लिए वैध रहेगा एवं जिसके बाद उन्हें फिर से रिन्यूअल करना होगा। सरकार की मंशा यह है कि सभी संस्थाओं को आयकर में ऑनलाइन फिर से पंजीयन करवाना पड़ेगा, जिससे उनका पुराना रिकॉर्ड भी ऑनलाइन हो जाएगा एवं सरकार की नजरों में रहेगा।

पहली बार आयकर में आया दो व्यवस्था

सीए राजेश मेहता ने बताया कि जमीन या अचल संपत्ति की बिक्री पर अगर बाजार भाव एवं लेन-देन की राशि के अंतर को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया है तो इस फैसले को इस तरह से समझा जा सकता है कि केंद्र सरकार को भी यह लगता है कि सरकारी कीमत एवं बाजार भाव में फर्क आ गया है, लिहाजा जिसे केंद्र सरकार ने भी आयकर की धारा में अंतर के प्रतिशत को बढ़ाकर स्वीकार किया है। उन्होंने आगे बताया कि इतिहास में पहली बार आयकर में 2 रेजीम लायी गयी हैं। इसको आसान शब्दों में ऐसा समझा जा सकता है कि अगर कोई व्यक्ति आयकर अधिनियम द्वारा सभी प्रचलित छूट को त्याग दे तो उसे सीधे-सीधे कर की गढ़ना करनी एवं पटाना है।

विदेश घूमना अब नहीं होगा आसान

विदेश घूमने जा रहे लोगों के लिए अच्छी खबर नही है, क्योंकि सरकार ने सभी टूर ऑपरेटर्स को 5 प्रतिशत से टैक्स काटने के लिए कहा है। इससे सरकार की मंशा साफ दिख रही है कि बाहर जाने वाले हर व्यक्ति पर उनकी नजर रहे एवं सरकारी कोष में राजस्व भी मिले। उन्होंने यह भी बताया कि एनआरआई टैक्सेशन में बहुत सारे परिवर्तन किये गए हैं। धारा 80 (जी) डोनेशन में मिलने वाली छूट के लिए भी परिवर्तन किये गए हैं। अब संस्था को इसकी विवरण ऑनलाइन जमा करवानी पड़ेगी। एक अधिकृत फॉर्म में ही सर्टिफिकेट संस्था द्वारा प्रदान किया जाएगा, इसके लिए अभी नियमावली में परिवर्तन किया जाएगा एवं फॉरमेट निर्धारित किया जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि जिस प्रकार 26एएस में कर कटौती की जानकारी आ जाती थी, उसी प्रकार कुछ प्रावधान लाए जाएंगे जिससे डोनेशन करने वाले व्यक्ति के आयकर पोर्टल में जानकारी आ जाएगी कि उसने किस संस्था को कितना डोनेशन दिया है।

जिम लुक की चर्चा होने से मायूस हैं जाह्नवी कपूर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपनी फिल्मों के बजाये जिम लुक और शॉर्ट्स की चर्चा होने से मायूस हैं।

बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर ने फिल्म धड़क से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह अपनी फिल्मों और एक्टिंग से ज्यादा अपनी जिम फोटोज़ की वजह से चर्चा में रहती हैं। जाह्नवी ने भी इस बात को माना है कि लोग उनकी फिल्मों से ज्यादा उनके जिम लुक और शॉर्ट्स की चर्चा करते हैं। इस बात से वह मायूस भी हैं।

जाह्नवी कपूर ने कहा, जब मेरी फिल्म 'धड़क' रिलीज हुई थी उसके बाद लोग मेरे पास आकर कहते थे कि उन्हें मेरी फिल्म अच्छी लगी। लेकिन अब लोग मिलते हैं तो कहते हैं कि मेरा जिम लुक अच्छा है, वो मेरा जिम लुक फॉलो करते हैं, उन्हें मेरे शॉर्ट्स पसंद हैं। ये सुनकर ऐसा लगता है 'मैं 'धड़क' के लिए जानी जाती हूं या जिम लुक्स के लिए। ये थोड़ा अजीब भी लगता है, लेकिन इसके लिए मैं उन्हें ब्लेम नहीं कर सकती क्योंकि 'धड़क' के बाद मेरी कोई फिल्म रिलीज़ भी नहीं हुई। अब मेरी कई फिल्में आने वाली हैं उम्मीद है लोग मेरी फिल्मों के बारे में बात करेंगे। न की मेरे शॉर्ट्स के बारे में।

QUIZ TIME

1) शारदा नहर किस राज्य की सर्वाधिक लम्बी नहर है? (बिहार / उत्तरप्रदेश)
2) भारत की सबसे लंबी सुरंग किस राज्य में स्थित है?
3) गोमूत्र में किस देवता का निवास माना जाता है?
(क) चंद्रदेव (ख) वरूणदेव (ग) शनिदेव (घ) सूर्यदेव
4) एक रूपए के नोट पर रिजर्व बैंक के गवर्नर का हस्ताक्षर होता है। (सही / गलत)
5) 27वाँ राष्ट्रीय बाल विज्ञान सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया?

Ramaquiz

उत्तरमाला: (1) उत्तरप्रदेश (2) जवाहर सुरंग, जम्मू-कश्मीर (3) वरूणदेव (4) गलत, वित्त सचिव के हस्ताक्षर (5) तिरुवनन्तपुरम, केरल

बढ़िया रहा 'मलंग' का पहला वीकेंड, 'शिकारा' ने किया निराश

आदित्य रॉय कपूर, दिशा पाटनी, अनिल कपूर और कुणाल खेमू की फिल्म 'मलंग' ने धीरे-धीरे कमाई की रफ्तार पकड़ ली है। धीमी शुरुआत के बाद फिल्म का पहला वीकेंड अच्छा रहा है। फिल्म ने पहले दिन 6.50 करोड़ की कमाई की थी और इसके बाद दोनों दिन कमाई में इजाफा हो रहा है।

आदित्य रॉय कपूर, दिशा पाटनी, अनिल कपूर और कुणाल खेमू की फिल्म 'मलंग' ने धीरे-धीरे कमाई की रफ्तार पकड़ ली है। धीमी शुरुआत के बाद फिल्म का पहला वीकेंड अच्छा रहा है। फिल्म ने पहले दिन 6.50 करोड़ की कमाई की थी और इसके बाद दोनों दिन कमाई में इजाफा हो रहा है।

बॉलीवुड में कमबैक करेंगी रवीना टंडन

मुंबई । जानी-मानी अभिनेत्री रवीना टंडन जल्द ही बॉलीवुड में कमबैक करने जा रही हैं।

रवीना टंडन काफी समय से फिल्मों से दूर हैं। रवीना 'केजीएफः चैप्टर 2' फिल्म के साथ कमबैक करने जा रही हैं। निर्देशक प्रशांत नील अपनी एक्शन ड्रामा फिल्म 'केजीएफ' के दूसरे भाग का निर्माण करेंगे।

प्रशांत ने ट्वीट किया, डेथ वारंट जारी करने वाली महिला आ गई हैं!!! आपका बहुत-बहुत स्वागत है रवीना टंडन मैम। हैशटैग केजीएफ चैप्टर 2।

बताया जा रहा है कि रवीना इस परियोजना में रमिका सेन के किरदार को निभाएंगी। फिल्म में संजय दत्त खलनायक अधीरा का किरदार निभाएंगे।

'केजीएफः चैप्टर 2' कन्नड़, तमिल, तेलुगू, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। यह कन्नड़ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'केजीएफ चैटर 1' का दूसरा भाग है।

सलमान और अक्षय के टेडी लव के सामने कुछ नहीं अनन्या और जान्हवी का प्यार

वैलंटाइंस वीक में आज का दिन टेडी डे के नाम से सेलिब्रेट किया जाता है। फिल्मों तो आपने देखा ही होगा, सोशल मीडिया पर खूब दिखा है सितारों का टेडी वाला प्यार। देखें, बॉलिवुड के कौन-कौन से सितारों का टेडी के लिए नजर आया है कितना प्यार। सलमान और अक्षय के टेडी लव के सामने कुछ नहीं अनन्या और जान्हवी का प्यारवैलंटाइंस वीक में आज का दिन टेडी बियर के नाम से लोग सेलिब्रेट कर रहे हैं। दरअसल आज के दिन प्यार करने वाले एक-दूसरे को टेडी गिफ्ट कर अपने प्यार का इजहार करते हैं। बॉलिवुड सितारों का टेडी लव आपने फिल्मों में तो कई फिल्मों में देखा ही होगा, रियल लाइफ में भी वे इसके दीवाने कम नहीं हैं। जान्हवी कपूर से लेकर दिशा पाटनी तक और जैसी ऐक्ट्रेसेस अपनी टेडीज़ लव सोशल मीडिया पर दिखा चुकी हैं। इतना ही नहीं शाहरुख खान, सलमान खान से लेकर अक्षय कुमार तक जैसे सितारों का टेडी प्यार देखकर आप हैरान रह जाएंगे। बॉलिवुड फिल्मों में टेडी बियर गिफ्ट देने का चलन बरसों पुराना रहा है।

गुजराती अंदाज में नजर आए रणवीर सिंह

नई दिल्ली। फिल्म '83' की शूटिंग पूरी करने के बाद रणवीर सिंह ने हाल ही में अपनी अगली फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' की शूटिंग पूरी होने की बात का खुलासा किया था। उनके अनाउंसमेंट के बाद अब 'जयेशभाई जोरदार' के सेट से रणवीर सिंह की एक फोटो लीक हो गया है। जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बता दें कि जयेशभाई जोरदार साल 2020 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हालांकि यह कब रिलीज होगी इसके बारें अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। सामने आई रणवीर सिंह की फोटो में एक्टर वाइट और ऑरेंज शर्ट में दिख रहे हैं। उन्होंने छोटी मूंछे रख रखी है। फोटो में रणवीर एक दम गुजराती लग रहे हैं। बता दें कि रणवीर इससे पहले बीते दिसंबर की शुरुआत में फिल्म से अपना पहला लुक शेयर किया था, जिसमें वह बेहद हैंडमस नजर आए थे। वहीं एक दूसरे फोटो में रणवीर के साथ उनकी पूरी टीम नजर आ रही हैं।

पुराने पीएफ अकाउंट का पैसा बचाना है तो यूं ट्रेस कर ट्रांसफर करें फंड

इन-ऑपरेटिव अकाउंट को ट्रैक करना थोड़ा मुश्किल जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं है। यह काम घर बैठे ऑनलाइन किया जा सकता है। एकबार अकाउंट ट्रेस हो जाने के बाद इसमें जमा राशि ट्रांसफर की जा सकती है या फिर निकाली जा सकती है।

नई दिल्ली। ऐसा कई लोगों के साथ होता है कि अलग-अलग संस्थानों में काम करने के दौरान अलग-अलग पीएफ अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं, जिसकी वजह से कई बार उनका पुराना पीएफ अकाउंट इन-ऑपरेटिव हो जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो नौकरी के बीच में विदेश जाते हैं और वहीं कंटिन्यू करते हैं। इस परिस्थिति में भी पुराना पीएफ अकाउंट इन-ऑपरेटिव हो जाता है।

घर बैठे होगा काम

इन-ऑपरेटिव अकाउंट को ट्रैक करना थोड़ा मुश्किल जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं है। यह काम घर बैठे ऑनलाइन किया जा सकता है। एकबार अकाउंट ट्रेस हो जाने के बाद इसमें जमा राशि ट्रांसफर की जा सकती है या फिर निकाली जा सकती है।

क्या होता है इन-ऑपरेटिव अकाउंट? : अगर किसी अकाउंट में तीन साल (36 महीने) तक कुछ जमा नहीं होता है तो इसे इन-ऑपरेटिव माना जाता है। 1 अप्रैल 2011 के बाद से सरकार ने ऐसे अकाउंट में जमा राशि पर इंट्रेस्ट देना बंद कर दिया है। एक डेटा के मुताबिक, मार्च 2014 तक श्क्क्नह्न के इन-ऑपरेटिव अकाउंट में 27000 करोड़ रुपये जमा थे। नियम के मुताबिक अगर इन-ऑपरेटिव अकाउंट पर अगर 7 साल तक दावा नहीं किया गया तो सरकार इसे सिनियर सिटिजन के लिए वेलफेयर फंड में डाल देती है।

कैसे ट्रेस करें अकाउंट?: पहले पीएफ की वेबसाइट www.epfindia.gov.in पर जाना है। यहां इन-ऑपरेटिव अकाउंट हेल्पडेस्क ऑप्शन को चुनना है। शिकायत बॉक्स में अपनी समस्या के बारे में पूरी जानकारी देनी है। बाद में आपसे निजी जानकारी मांगी जाएगी, मसलन नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, जन्मदिन, पति या पिता का नाम, एंप्लॉयर नेम। इन तमाम जानकारी की मदद से आपका अकाउंट आसानी से ट्रेस हो जाएगा।

अकाउंट ट्रेस होने के बाद फंड

सोना फिर 42 हजारी, चाँदी में गिरावट

नयी दिल्ली । विदेशों में पीली धातु में रही तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना सोमवार को लगातार तीसरे दिन मजबूत हुआ और 190 रुपये की बढ़त में 42,020 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुँच गया। वहीं, चाँदी 100 रुपये लुढ़ककर 47,450 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी।

लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, सोना हाजिर 4.35 डॉलर चढ़कर 1,574.40 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गया। अप्रैल का अमेरिकी सोना वायदा भी 3.80 डॉलर की बढ़त में 1,577.20 डॉलर प्रति औंस बोला गया।

बाजार विश्लेषकों ने बताया कि कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुये निवेशक सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली पीली धातु का रुख कर रहे हैं। इसलिए सोने की कीमतों में तेजी रही। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चाँदी हाजिर भी 0.13 डॉलर चमककर 17.78 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गयी।

नवजात शिशु का भी बन सकता है आधार, ये है सबसे आसान तरीका

नई दिल्ली। आपके घर में कोई नन्हा मेहमान आया है तो उसका आधार कार्ड बनवाने के लिए उसके नामकरण तक का इंतजार क्यों? भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण का कहना है कि माता-पिता नवजात बच्चे का भी आधार कार्ड (Aadhaar Card) बनवा सकते हैं। यूआईडीएआई के मुताबिक नवजात का आधार बनवाने के लिए उसके थोड़ा बड़ा होने का इंतजार करने की अब जरूरत नहीं है।

'अमीर' मुंबई को पैसों की तंगी कूड़े पर भी लग सकता है टैक्स

सुस्त इकॉनमी के कारण रियल एस्टेट से होने वाली आय घट रही है, ऐसे में मुंबई आमदनी बढ़ाने के नए-नए तरीकों पर विचार कर रही है। र्थ सर्टिफिकिट पर अतिरिक्त टैक्स के साथ-साथ कूड़े पर भी टैक्स लगाए जाने पर विचार किया जा रहा है।

मुंबई। देश की फाइनैंशल हब मुंबई और देश की सबसे अमीर म्यूनिसिपैलिटी बीएमसी। इन दिनों इसकी आमदनी काफी घट गई है। सुस्त इकॉनमी के कारण रियल एस्टेट से होने वाली आय घट रही है, ऐसे में यह म्यूनिसिपैलिटी आमदनी बढ़ाने के नए-नए तरीकों पर विचार कर रही है।

ब्लूमबर्ग के मुताबक, आमदनी बढ़ाने के लिए बर्थ सर्टिफिकिट पर अतिरिक्त टैक्स के साथ-साथ कूड़े पर भी टैक्स लगाए जाने पर विचार किया जा रहा है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) को इस वित्त वर्ष में टारगेट से 5 फीसदी कम आमदनी का अनुमान है। न्यू यॉर्क शहर के आधे के बराबर एरिया में फैली इस म्यूनिसिपैलिटी में वहां से 50 फीसदी ज्यादा आबादी है। इसका बजट देश के कई राज्यों से भी ज्यादा है।

1 अप्रैल 2020 से शुरू हो रहे नए वित्त वर्ष में मुंबई खर्च में 9त्न का इजाफा करने की प्लैनिंग कर रही है। यह खर्च नालियों को बेहतर करने, समुद्र किनारे की सड़क और क्वीन्स नेकलेस के विकास पर किया जाएगा। इससे मॉनसून के दौरान शहर को फायदा पहुंचेगा और बाढ़ के खतरे को टाला जा सकेगा। हालांकि मुंबई यह कैसे कर पाएगी, यह स्पष्ट नहीं है। टैक्स कलेक्शन की बात करें तो देश के सबसे महंगे प्रॉपर्टी बाजार में मकान और ऑफिस स्पेस की बिक्री से होने वाली आमदनी टारगेट से 12 फीसदी कम रही है।

ऐसे में आमदनी के प्रमुख स्रोतों के इतर अन्य विकल्पों को ओर ध्यान दिया जा रहा है। मदान सबणवीस समेत केयर रेटिंग्स इकनॉमिस्ट्स ने एक रिपोर्ट में लिखा, 'निगम पैसे जुटाने के लिए नए आयामों पर विचार कर रहा है।' इनमें प्रॉपर्टी टैक्स बकाया वसूली, वॉटर टैक्स को नोटिस भएजकर टैक्स की वसूली, पानी के कनेक्शन्स का काटा जाना, कुर्की और प्रॉपर्टीज की नीलामी भी शामिल हैं।

मुंबई को आशंका है कि 786.7 अरब रुपये के उसके निवेश से होने वाली आमदनी 11त्न घट जाएगी क्योंकि अगले वित्त वर्ष में बैंक ब्याज दर कम रहेगी। साल 2017 तक मुंबई की आमदनी का एक तिहाई हिस्सा चुंगी (एंट्री टैक्स) से मिलता था, लेकिन जीएसटी लागू होने के बाद ऐसा नहीं रहा।

नए टैक्स सिस्टम में नहीं मिलेगा डिडक्शन, फिर भी बंद न करें ये 5 इन्वेस्टमेंट्स

80सी के तहत मिलने वाले डिडक्शन्स के खत्म होने से वे टैक्स सेवर्स में भी निवेश बंद कर नए सिस्टम का रुख कर सकते हैं

बजट में जिस टैक्स सिस्टम की घोषणा की गई, शायद डिडक्शन का फायदा न मिलने के कारण बहुत कम लोग उसे चुनना पसंद करेंगे। जो टैक्सपेयर्स नया सिस्टम चुनेंगे, उनमें ज्यादातर ऐसे होंगे जो टैक्स फाइलिंग की झंझटों से बचना चाहते हैं। वे निवेश करते हैं तो बस टैक्स बचाने के लिए। ऐसे में इनकम टैक्स के सेक्शन 80सी के तहत मिलने वाले डिडक्शन्स के खत्म होने से वे टैक्स सेवर्स में भी निवेश बंद कर नए सिस्टम का रुख कर सकते हैं। लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि कुछ इन्वेस्टमेंट्स को जारी रखने में ही फायदा है। आइए जानें कौन-कौन से निवेश आपको जारी रखने चाहिए, भले आप नया टैक्स सिस्टम चुनें।

ज्यादातर लोग लाइफ और मेडिकल इंश्योरेंस भी टैक्स बचाने के लिए खरीदते हैं। प्लैनर्स का कहना है कि अब इस सोच में बदलाव आएगा। गेटिंग यू रिच के फाउंडर व सीईओ रोहित शाह कहते हैं, 'भले प्रीमियम पर टैक्स छूट लें या न लें, लेकिन सभी के पास लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस होना चाहिए।'

इंडिगो की वेबसाइट हिंदी में भी

नयी दिल्ली । देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने छोटे तथा मझौले शहरों के ग्राहकों को लुभाने के लिए सोमवार को अपनी हिंदी वेबसाइट लॉन्च की।

कंपनी ने आज बताया कि उसकी हिंदी वेबसाइट पर उड़ानों, छूट तथा ऑफर के बारे में जानकारी और बुकिंग की सुविधा पूरी तरह हिंदी में होगी। देश में मार्च 2019 में 63.70 करोड़ इंटरनेट इस्तेमालकर्ता थे। इंटरनेट पर हिंदी में कंटेंट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 2018-19 में 94 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। इसी को ध्यान में रखते हुये क्षेत्रीय भाषा के ग्राहकों को लुभाने के लिए हिंदी में वेबसाइट शुरू की गयी है।

शेयर बाजार में गिरावट, 162 अंक टूटा सेंसेक्स, निफ्टी 12031 पर बंद

नई दिल्ली। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार लाल निशान के साथ बंद हुए। बॉम्बे स्टाक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 162 अंक लुढ़क कर 40979 के स्तर पर बंद हुआ, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 66 अंक फिसलकर 12031 पर बंद हुआ। टीसीएस, भारती एयर टेल, वेदांता लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, जी लिमिटेड, एम एंड एम, इंफ्राटेल, एसबीआई और ओएनजीसी के शेयर लाल निशान के साथ बंद हुए।

शेयर बाजार लाल निशान के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 107 अंक गिरकर 41034 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था तो वहीं निफ्टी भी 26 अंकों के नुकसान के साथ 12071 के स्तर पर। थोड़ी देर बाद ही सेंसेक्स 41000 के नीचे आ गया। सुबह सवा दस बजे सेंसेक्स 250 अंकों के नुकसान के साथ 40,891 पर ट्रेड कर रहा था। वहीं निफ्टी के 50 में से 41 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे। निफ्टी 76 अंक लुढ़ककर 12,021 के स्तर पर आ गया। आज आईटी और फार्मा के अतिरिक्त मेटल, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक, रियल्टी, एफएमसीजी, ऑटो, मीडिया समेत सभी सेक्टर्स लाल निशान पर खुले।

■ न्यूज गैलरी

पाकिस्तान ने बंगलादेश को पारी और 44 रन से हराया

रावलपिंडी । नसीम शाह (26 रन पर चार विकेट) और यासिर शाह (58 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी से पाकिस्तान ने पहले टेस्ट के चौथे ही दिन सोमवार को बंगलादेश को दूसरी पारी में 168 रन पर समेट कर मैच पारी तथा 44 रन से जीत लिया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नसीम ने 8.2 ओवर में 26 रन पर चार विकेट लिए तथा यासिर ने 17.2 ओवर में 58 रन देकर चार विकेट झटके और बंगलादेश के बल्लेबाजों को पूरी तरह झकझोर दिया। दोनों गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने बंगलादेश के खिलाफ बड़ी जीत हासिल कर ली। नसीम को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

वेस्ली ने जीता टाटा ओपन

पुणे । चेक गणराज्य के जीरी वेस्ली ने रविवार को यहां महालुंगे बालेवाड़ी स्टेडियम में बेलारूस के इगोर गेरासिमोव को हराकर टाटा ओपन महाराष्ट्र के तीसरे संस्करण का एकल खिताब जीत लिया। वेस्ली ने 546,355 डॉलर इनामी इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में गेरासिमोव को 7-6 (7-2), 5-7, 6-3 से हराया। यह मुकाबला करीब सवा दो घंटे चला। वेस्ली ने पहला सेट 7-6 से अपने नाम किया। पहले सेट में दोनों के बीच जोरदार भिड़ंत हुए। एक समय दोनों 5-5 की बराबरी पर थे और फिर दोनों ने 6-6 की बराबरी हासिल की। इसके बाद यह सेट टाइब्रेकर में गया, जहां वेस्ली ने 7-2 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। एक समय दोनों 5-5 से बराबरी पर थे लेकिन गेरासिमोव ने पहले 6-5 की बढ़त हासिल की और फिर 7-5 से यह सेट जीतकर मैच को तीसरे तथा निर्णायक सेट में ले जाते हुए रोमांचक बना दिया।

टाटा ओपन महाराष्ट्र में भारत को नहीं मिला कोई खिताब

पुणे । दक्षिण एशिया के एकमात्र एटीपी टूर टूर्नामेंट टाटा ओपन महाराष्ट्र के मेजबान भारत को इस बार कोई खिताब नहीं मिला। 546,355 डॉलर इनामी इस टूर्नामेंट के तीसरे संस्करण का रविवार को यहां महालुंगे बालेवाड़ी स्टेडियम में समापन हुआ। भारत ने पिछले वर्ष इस टूर्नामेंट में युगल खिताब जीता था लेकिन इस बार उसकी युगल में चुनौती सेमीफाइनल में ही समाप्त हो गयी। रामकुमार रामनाथन और पूरब राजा की भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में इजरायल के जोनाथन इर्लिच और बेलारूस के आंद्रेई वेसीलेवस्की ने लगातार सेटों में 7-6, 6-4 से हराया। पिछले साल विजेता रहे रोहन बोपन्ना और दिविज शरण इस बार अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ खेले और दोनों को ही निराशा का सामना करना पड़ा।

विश्वकप जीतना सपने पूरे होने जैसा : अकबर अली

आईसीसी अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीतने वाली बंगलादेश की टीम के कप्तान अकबर अली ने कहा कि यह सपने पूरे होने जैसा है।

मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों में हुई थी कहासुनी

पौचेफस्ट्रूम । अकबर ने मैच के बाद कहा,÷विश्वकप जीतना सपने पूरे होने जैसा है। यह पिछले दो वर्षों में टीम की कड़ी मेहनत का नतीजा है। टीम ने इसके लिए काफी मेहनत की है। मैं कोचिंग स्टाफ को मैदान में और मैदान के बाहर साथ देने के लिए सिर्फ धन्यवाद नहीं दूंगा। मैच के बाद विवाद को लेकर उन्होंने कहा,÷विश्वकप जीतने के बाद हमारे कुछ खिलाड़ी भावुक हो गए थे और इसके कारण वह उलझ गए। मैच के बाद जो हुआ वो दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं भारतीय टीम को भी बधाई देना चाहूंगा जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान ने कहा,÷मैं सभी प्रशंसकों को शुक्रिया कहना चाहता हूं। यह हमारे लिए बेहतरीन अनुभव रहा है। यह हमारे लिए शुरुआत है और मैं उम्मीद करता हूं कि हम भविष्य में भी यह प्रदर्शन बरकरार रखेंगे। अंडर 19 वर्ल्ड कप जीतकर पहली बार किसी वर्ल्ड चैंपियनशिप के खिताब पर कब्जा जमाने वाले बांग्लादेश ने मैच के बाद अपने नकारात्मक व्यवहार से खेल भावना की सभी सीमाएं लांघ दीं। भारत के युवा कप्तान प्रियम गर्ग ने बांग्लादेशी क्रिकेटरों की इस हरकत को 'गंदा'

मैंने इस टूर्नामेंट का वाकई आनंद लिया : यशस्वी

पौचेफस्ट्रूम । बंगलादेश के खिलाफ आईसीसी अंडर-19 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में शानदार 88 रन बनाने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि उन्होंने इस टूर्नामेंट का वाकई काफी आनंद लिया है।

भारत को बंगलादेश के खिलाफ खिताबी मुकाबले में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन टूर्नामेंट में बेहतरीन करने वाले यशस्वी ने इस मुकाबले में भी अपनी फॉर्म को बरकरार रखते हुए 88 रन की पारी खेली थी। उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया। यशस्वी ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाए थे। यशस्वी ने कहा,÷मैंने इस टूर्नामेंट का वाकई आनंद लिया। मेरा इन विकेटों पर अच्छा अनुभव रहा।

यह हमारा दिन नहीं था: प्रियंम

पौचेफस्ट्रूम । बंगलादेश के हाथों आईसीसी अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में तीन विकेट से हारने के बाद भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान प्रियंम गर्ग ने कहा कि गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन यह दिन हमारा नहीं था। भारतीय टीम को बंगलादेश के हाथों अंडर-19 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में तीन विकेट से पराजय का सामना करना पड़ा जिससे उसका पांच बार खिताब जीतने के सपना टूट गया। बंगलादेश ने भारत को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता है। प्रियंम ने कहा,÷टीम में सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं गए। यह हमारा दिन नहीं था। मुझे खुशी है जिस तरह गेंदबाजों ने उम्दा प्रदर्शन किया और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। टॉस से कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन बंगलादेश के गेंदबाजों ने टीम को बेहतर शुरुआत दिलायी।

इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच मुकाबला ड्रा

लिंकन। शुभमन गिल (136) और अजिंक्या रहाणे (नाबाद 101) के शानदार शतकों से भारत ए ने और न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे गैर आधिकारिक टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को पहली पारी में पांच विकेट पर 467 रन बनाए जिससे मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ।

इंडिया ए की तरफ से शुभमन ने 190 गेंदों में 15 चौके और दो छक्के की मदद से सर्वाधिक 136 रन बनाए और रहाणे ने 148 गेंदों में 15 चौके और एक छक्के के सहारे नाबाद 101 रन की पारी खेली जबकि विजय शंकर ने 103 गेंदों में नौ चौके के सहारे 66 रन बनाए। इसके अलावा हनुमा ने 73 गेंदों में नौ चौके के सहारे 59 रन और पुजारा ने 53 रन की पारी में सात चौके और एक छक्का जड़ा। इससे पहले पुजारा और शुभमन ने चौथे दिन का खेल शुरु होने पर भारतीय पारी को आगे बढ़ाया और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 139 रन की बड़ी साझेदारी हुई। पुजारा नाथन जी स्मिथ की गेंद पर पगबाधा आउट हुए और यह साझेदारी टूट गयी। पुजारा के आउट होने के बाद शुभमन ने रहाणे के साथ साझेदारी शुरु की लेकिन यह साझेदारी सिर्फ 38 रन तक ही चल सकी और शुभमन इडी नट्टल की गेंद पर टिम सेफर्ट को कैच थमा बैठे।

चेन्नइयन और बेंगलुरू ने खेला गोलरहित ड्रॉ

चेन्नई । दो बार की चैंपियन चेन्नइयन एफसी और मौजूदा चैंपियन बेंगलुरू एफसी के बीच रविवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला गया हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के छठे सीजन का मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर जाकर समाप्त हुआ। पिछले चार मैचों में लगातार चार जीत दर्ज करने वाली चेन्नइयन इस मैच में जीत दर्ज नहीं कर सकी। चेन्नइयन के 15 मैचों से अब 22 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में पांचवें नंबर पर ही कायम है। वहीं, इस ड्रॉ के बाद बेंगलुरू भी 16 मैचों से 29 अंक लेकर तालिका में दूसरे नंबर पर बरकरार है। चेन्नइयन का यह पांचवां और बेंगलुरू का चौथा ड्रॉ है। आईएसएल के इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक का यह पहला ड्रॉ है। दो चैम्पियन टीमों के बीच के इस मुकाबले का पहला हाफ गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों ने मुकाबले में सधी शुरुआत की लेकिन कई मौके बनाने के बावजूद वह गोल नहीं कर पाई। दोनों टीमों ने पहले हाफ में एक-एक शॉट टारगेट पर लिए, लेकिन वे अपना खाता नहीं खोल पाई। दो बार की चैंपियन चेन्नइयन और मौजूद चैंपियन बेंगलुरू में से कोई भी टीम एक-दूसरे के डिफेंस में कुछ ज्यादा हलचल नहीं मचा पाई। वहीं, दोनों ही टीमों के गोलकीपरों को भी कुछ ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। बेंगलुरू के लिए 17वें मिनट में आशिक कुरियन के पास अपनी टीम को बढ़त दिलाने का मौका था।

न्यूजीलैंड से सीरीज में सम्मान बचाने के इरादे से उतरेगा भारत

न्यूजीलैंड के खिलाफ मंगलवार को एकदिवसीय सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम यह मुकाबला जीत सीरीज में सम्मान बचाने के इरादे से उतरेगी।

माउंट मोंगानुई । न्यूजीलैंड ने भारत को 2-0 से हराकर वनडे सीरीज पहले ही अपने नाम कर ली है और वह आखिरी मुकाबले जीत हासिल कर भारत से टी-20 सीरीज में मिली 0-5 की हार का बदला लेना चाहेगी जबकि भारतीय टीम आखिरी मुकाबले में जीत हासिल कर सम्मान बचाने के इरादे से उतरेगी।

टी-20 सीरीज में उम्दा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम वनडे में पूरी तरह फ्लॉप साबित हुई और उसे पहले दो मुकाबलों में कीवी टीम से हार का सामना करना पड़ा। पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने जहां बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन किया तो वहीं गेंदबाजों की खराब गेंदबाजी से उसे इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा जबकि दूसरे मुकाबले में टीम की बल्लेबाजी पूरी तर ध्वस्त हो गयी थी। कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व वाली भारतीय टीम को तीसरे मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ-साथ क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा। टीम के सलामी बल्लेबाजों मयंक अग्रवाल और पृथ्वी शॉ पर जहां पहले वनडे की तरह बड़ी साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी जबकि मध्यक्रम को संतुलन स्थापित कर टीम का स्कोर बड़ा करना होगा। विराट, श्रेयस अय्यर और लोकेश राहुल को मध्यक्रम में अपने जिम्मेदारी निभाते हुए भारतीय पारी को आगे ले जाना होगा जिससे निचले क्रम के खिलाड़ियों पर दवाब कम पड़ सके। दूसरे वनडे मुकाबले में श्रेयस के अलावा मध्यक्रम का कोई भी बल्लेबाज करिश्मा नहीं कर सका था जिससे निचले क्रम पर दवाब बढ़ गया था। भारत के लिए राहत की बात है कि अय्यर जहां मध्यक्रम में अपनी फॉर्म में चल रहे है।

जबकि निचले क्रम में नवदीप सैनी और रवींद्र जडेजा

सोफी ने मिताली का रिकॉर्ड तोड़ा

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन सोमवार को भारत की स्टार खिलाड़ी मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ टी-20 में लगातार पांच मैचों में 50 रन से ज्यादा स्कोर करने वाली खिलाड़ी बन गयी।

सोफी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की। दाएं हाथ की बल्लेबाज सोफी इसके साथ ही न्यूजीलैंड की दूसरी महिला क्रिकेटर बन गयी हैं जिन्होंने ट्वंटी-20 में शतक जड़ा है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी-20 मुकाबले में 65 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाकर 105 रन की शतकीय पारी खेली जिससे कीवी टीम ने 69 रनों से जीत हासिल की। सोफी ने ऑकलैंड के खिलाफ वेलिंगटन के लिए खेलते हुए 54 रन बनाए थे।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

जोहानसबर्ग । आदिल राशिद (51 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी और जो डेन्ली (66) रन की अर्धशतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को सीरीज के आखिरी और तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में दो विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान क्विंटन डी कॉक के 81 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के की मदद से 69 रन और डेविड मिलर के 53 गेंदों में चार चौके और चार छक्कों के सहारे ताबड़तोड़ नाबाद 69 की बदौलत 50 ओवर में सात विकेट पर 256 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने डेन्ली के 79 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के की मदद से 43.2 ओवर में आठ विकेट पर 257 रन बनाकर मैच जीत लिया। राशिद को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ मैच और डी कॉक को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

वार्नर को तीसरी बार मिला एलन बार्डर मेडल

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को तीसरी बार एलन बार्डर मेडल से सम्मानित किया गया जबकि ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की खिलाड़ी एल्लीसे पैरी को तीसरी बार बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड दिया गया है। वार्नर इसके साथ ही टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्नुस लबुसाचग्ने ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर घोषित किए गए हैं तथा आरोन फिंच वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए हैं। वार्नर स्टीवन स्मिथ को पछाड़कर टी-20 प्लेयर ऑफ ईयर चुने गए हैं। वार्नर ने पिछले साल इंग्लैंड में हुए आईसीसी विश्वकप में 647 रन बनाए थे और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में भी उम्दा प्रदर्शन किया था। लबुसाचग्ने ने इस साल जनवरी में भारत के खिलाफ वनडे में पदार्पण किया था और तीसरे मैच में ही अर्धशतक ठोका था। उन्हें एशेज सीरीज में लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान स्मिथ के जगह टीम में शामिल किया था। उन्होंने टेस्ट मैच की 15 पारियों में 1249 रन बनाए। पैरी को इससे पहले बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड 2016 और 2017 में भी मिला था।

प्रथम पृष्ठ का शेष

डी.जी.पी. पर संशय, डी.आई.जी.

मुख्यालय अटैच कर दिया गया है. सरकार ने लंबे समय से इंटेलिजेंस देख रहे मकरंद देउस्कर को हटाते हुए डी.श्रीनिवास शर्मा को इंटेलिजेंस का जिम्मा सौंपा है.एडीजी जी पी सिंह को एन्टी नक्सल ऑपरेशन बनाया गया है. सरकार ने छतरपुर में एसडीएम दफ्तर में तोड़फोड़ की साजिश के मामले में डीआईजी अनिल माहेश्वरी को हटाते हुए पीएचक्यू में पदस्थ किया है.साथ ही धार मॉब लिंचिंग के मामले में इंदौर ग्रामीण के डीआईजी संजय तिवारी को हटा?ा गया है.तिवारी को पीएचक्यू में अटैच किया गया है. ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ वाले श्योपुर, गुना एसपी को भी हटाया गया है.लंबे समय से खाली अशोक नगर में रघुवंश भदौरिया को जिला कप्तान बनाया है.सरकार ने होशंगाबाद,बैतूल, हरदा, छिंदवाड़ा के एसपी को भी बदला है. धार डीआईजी हटाए गए धार ग्रामीण क्षेत्र के डीआईजी संजय तिवारी को हटा दिया गया है. मॉब लिंचिंग की घटना में सीएम की नाराजगी के बाद उन्हें हटाया गया है. तिवारी को पुलिस मुख्यालय अटैच किया गया है. घटना वाले दिन डीजीपी वी के तिवारी ने खुद संजय तिवारी को घटना स्थल के लिए रवाना किया था.

प्रमोशन में आरक्षण: सुप्रीम

राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। इस पर कांग्रेस सांसदों ने सदन से वॉक आउट कर दिया। इससे पहले, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि शीर्ष अदालत का हालिया फैसला संवेदनशील है और सरकार इस पर बयान देगी। कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तराखंड सरकार की याचिका पर फैसले में कहा था कि प्रमोशन में कोटा या आरक्षण की मांग करना मौलिक अधिकार नहीं है। राज्य सरकारें अपने विवेक पर इसे निर्धारित कर सकती हैं। उत्तराखंड की सरकार ने यह बहस की है। आरएसएस-भाजपा वाले चाहे जितने सपने देख लें, लेकिन हम इसे हटने नहीं देंगे। संविधान पर आक्रमण हो रहा है। हर संस्थान को तोड़ा जा रहा है। न्यायपालिका और लोकतंत्र के स्तंभों को एक-एक कर निशाना बनाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के 7 फरवरी के एक आदेश से सियासी घमासान शुरू हो गया है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला प्रमोशन में आरक्षण को लेकर है। शीर्ष अदालत ने उत्तराखंड हाई कोर्ट के एक आदेश को पलटते हुए साफ कहा कि प्रमोशन में आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं है और राज्य को इसके लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अब संसद में तमाम पार्टियां सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करते हुए केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बीजेपी और आरएसएस की आरक्षण को लेकर सोच से जोड़ दिया। राहुल ने कहा कि बीजेपी-आरएसएस आरक्षण को खत्म करने के प्रयास में जुटी है। उधर, लोकसभा में संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तरांखड की सरकार ने ही 2012 में बिना आरक्षण के रिक्त सरकारी पदों पर नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी जिसे हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था। पूरी कहानी यह है कि राज्य सरकार के एक नोटिफिकेशन को हाई कोर्ट ने रद्द किया।

संघ के अधिकारी एवं कार्यालय

सैयद अकबर, सैयद सिद्दीक अकबर, अकबर बाशा, सनाउल्ला शरीफ और सादिक उल-अमीन ने इस तरह के हमलों की बड़ी साजिश रची थी।

महावीर मंदिर ट्रस्ट ने दिया

सचिव कुणाल किशोर की तरफ से राम मंदिर निर्माण के लिए दस करोड़ की सहयोग राशि देने का ऐलान पहले ही किया था। साथ ही इस संस्था ने करीब 2 महीने पहले प्रस्तावित राम मंदिर के पास एक लंगर भी शुरू किया है। भगवान राम का दर्शन करने आने वाले भक्तों के लिए मुफ्त खाने की व्यवस्था न्यास की तरफ से की गई थी। ऐसे में लंगर और 10 करोड़ की सहयोग राशि के बाद गर्भगृह में सोना लगाने का प्रस्ताव संस्था की तरफ से आया है। प्रस्ताव के मुताबिक गर्भ गृह में लगने वाले सोने पर जो खर्च आएगा, वो 10 करोड़ की सहयोग राशि से अलग है। न्यास की तरफ से जो 10 करोड़ की सहयोग राशि देने की बात कही गई है वो किश्तों में दी जाएगी।

शाहीन बाग पर सुप्रीम कोर्ट

से सार्वजनिक जगह पर प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध करें लेकिन इसके लिए सार्वजनिक जगह का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। जस्टिस एस के कौल ने टिप्पणी की कि सड़क को प्रदर्शन के लिए जाम नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार को नोटिस भेज इस मामले में एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। पिछली सुनवाई में जस्टिस एस के कौल और जस्टिस के एम जोसेफ की पीठ ने कहा था, हम इस बात को समझते हैं कि वहां समस्या है और हमें देखना होगा कि इसे कैसे सुलझाया जाए।

प्लीज मोदी जी! बचा लीजिए

हैं, जिसमें केवल 500 लोगों के सैंपल की जांच की गई है। हममें से किसी के सैंपल की जांच नहीं की गई है। विडियो में दिख रहा है कि बिनय के आसपास कुछ और लोग खड़े हैं, जो मास्क लगाए हुए हैं। वे कह रहे हैं कि उन्हें क्रूज पर मौजूद लोगों से अलग किया जाए और उन्हें अपने-अपने घरों तक पहुंचाया जाए। बिनय कह रहा है, क्रूज पर 162 क्रू मेंबर हैं। कुछ भारतीय यात्री भी हैं। फिलहाल 90 प्रतिशत लोग संक्रमण से बचे हुए हैं।

टोक्यो ओलम्पिक में पदक जीत सकता है भारत: ध्यानचंद

नई दिल्ली । भारत की 1975 की विश्व कप विजेता हॉकी टीम के सदस्य अशोक ध्यानचंद ने कहा है कि भारत इस साल टोक्यो में होने वाले ओलम्पिक खेलों में हॉकी में पदक जीत सकता है।

अशोक ने सोमवार को यहां नौवें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल आमंत्रण हॉकी टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। पूर्व ओलंपियन अशोक ने कहा, ÷यह ओलंपिक वर्ष है और भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1980 के मास्को ओलम्पिक के बाद से ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीता है। भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग में जिस तरह विश्व चैंपियन और नंबर एक टीम बेल्जियम तथा विश्व की तीसरे नंबर की टीम हॉलैंड को हराया है उसे देखते हुए मैं यह उम्मीद कर रहा हूं कि टोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम पदक जीत सकती है। यह अच्छी बात है कि श्याम लाल कॉलेज दिल्ली में हॉकी में चमक रहा है और कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ रबि नारायण कर और असिस्टेंट प्रोफेसर (खेल) वी एस जग्गी हॉकी के साथ-साथ अन्य खेलों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। यह बहुत जरूरी है।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के साथ बनेगा कारसेवक स्मारक?

बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय का ट्वीट, कारसेवक स्मारक का फैसला स्वागत योग्य

ट्वीट में लिखा- ये शहीद वही रामभक्त हैं, जिन्होंने मंदिर के लिए सब न्योछावर किया

मोदी सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के नाम से मंदिर ट्रर्स्ट का किया है ऐलान

19 फरवरी को दिल्ली में पहली बैठक में मंदिर निर्माण की तारीख का ऐलान संभव

नवप्रदेश संवाददाता

इंदौर। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनाया जा चुका है। इसी महीने की ट्रर्स्ट की पहली बैठक में मंदिर निर्माण की तारीख का ऐलान हो सकता है। इस बीच बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने ऐसा ट्वीट किया है, जो एक विवाद को जन्म दे सकता है। विजयवर्गीय ने कहा है कि मंदिर के साथ-साथ कारसेवकों की याद में स्मारक बनाने के कदम का वह स्वागत करते हैं। विजयवर्गीय ने ट्वीट करते हुए लिखा, स्वागत योग्य कदम!!! अयोध्या में भव्य राम मंदिर के साथ ज्ञात-अज्ञात

कारसेवकों की याद में स्मारक बनाने का फैसला स्वागत योग्य कदम है! ये शहीद वही राम भक्त हैं जिन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया! जय जय श्रीराम! सदस्यों का चुनाव बहुमत के आधार पर होगा। केंद्र सरकार ने 5 फरवरी को ट्रस्ट के गठन को मंजूरी दी थी। पीएम मोदी ने लोकसभा में इसकी घोषणा करते हुए कहा था कि यह ट्रस्ट अयोध्या में भगवान श्रीराम की तीर्थस्थली पर भव्य और दिव्य राम मंदिर के निर्माण और उससे संबंधित विषयों पर निर्णय लेने के लिए पूर्ण रूप से स्वतंत्र होगा। ट्रस्ट में कुल 15 सदस्यों को शामिल किया गया है। कार्यशाला में काम कर रहे घनश्याम चतुर्वेदी के मुताबिक मंदिर निर्माण शुरू होने का समय करीब आते देख अब देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालु मंदिर कार्यशाला में आ रहे हैं।

मंदिर निर्माण की तारीख का ऐलान 19 को?

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए बने ट्रस्ट 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' की पहली बैठक 19 फरवरी को दिल्ली में होगी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें मंदिर निर्माण की तारीख का ऐलान हो सकता है। रामनवमी (2 अप्रैल) या अक्षय तृतीया (26 अप्रैल) से मंदिर का निर्माण शुरू करने पर सहमति बनने की उम्मीद है।

कार्यशाला में हो रही पत्थरों की सफाई

मंदिर निर्माण शुरू होने की खबरों के बीच वीएचपी के श्रीरामजन्म भूमि न्यास कार्यशाला में तराशे गए पत्थरों की सफाई का काम हो रहा है। वाराणसी से आए कारीगर रामू के मुताबिक पत्थरों पर लगी काई की सफाई चल रही है। इस समय कार्यशाला में तीन कारीगर तराशे गए पत्थरों की सफाई का काम कर रहे हैं।

■ न्यूज गैलरी

खिलौनों की आड़ में बेच रहे थे इंपोर्टेड सिगरेट, दो दुकानों पर छापामार कार्रवाई

भोपाल। इंपोर्टेड विदेशी सिगरेट बेचने वाले दो चचेरे भाइयों को क्राइम ब्रांच ने पकड़कर 40 अलग-अलग ब्रांड की सैकड़ों सिगरेट जब्त की हैं। इस छापे की जानकारी पुलिस ने कस्टम विभाग को भी दे दी है। पुलिस को शक है कि कस्टम ड्यूटी से बचने के लिए आरोपी स्मगलिंग का माल मुंबई के तस्करों से उठाते थे। एएसपी निश्चल झारिया के मुताबिक सटीक सूचना के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने लालवानी प्रेस रोड स्थित दो दुकानों पर छापा मारा था। सुपर कलेक्शन और सोनी गिफ्ट सेंटर नाम से संचालित इन दुकानों में खिलौने बेचे जाते हैं। अंदर जाकर देखा तो यहां इंपोर्टेड विदेशी सिगरेट के 40 अलग-अलग ब्रांड रखे मिले। पुलिस ने सैकड़ों सिगरेट जब्त कर लीं। यहां क्ले पाइप और हुक्का तंबाकू भी पुलिस को मिला। सुपर कलेक्शन गौरव भटेजा का है, जबकि सोनी गिफ्ट सेंटर उसके चचेरे भाई सुनील भटेजा का है। दोनों ग्रीन एकड़, लालघाटी के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे दिल्ली-मुंबई से ये सिगरेट ट्रांसपोर्ट के जरिए भोपाल मंगवाते थे। फिर उन्हें गुमठियों पर बेच दिया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई की सूचना कस्टम विभाग को भी दे दी है। विदिशा रोड स्थित भानपुर के पास एक हार्डवेयर दुकान पर ऊषा और वी-गार्ड कंपनी के नाम पर लोकल सबमर्सिबल पंपसेट बेचे जा रहे थे। इस सूचना के बाद छापा मारकर क्राइम ब्रांच ने 16 नग पंपसेट जब्त किए हैं। बगैर बिल दिए इन्हें किसानों को बेचा जाता था। पुलिस ने दुकानदार पंचवटी कॉलोनी, फेस-2 करोंद निवासी 31 वर्षीय मनोज साहू के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। ये पंपसेट वह गुजरात से मंगवाकर असल से थोड़ा कम दाम में बेचता था।

इंजीनियरिंग के छात्रों को मिल सकेगी एक साथ दो ब्रांच की डिग्री

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने ऑल इंडिया कॉउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन का मॉडल करिकुलम लागू करने जा रहा है। इसके लागू होने के बाद इंजीनियरिंग के छात्रों को एक साथ दो ब्रांच की डिग्री मिल सकेगी। आरजीपीवी से मिलने वाली डिग्री पर ही छात्रों द्वारा किए गए दोनों ब्रांच के नाम लिखे होंगे। एक ब्रांच नियमित के तौर पर लिखी जाएगी। जबकि एक विशेषज्ञता के तौर पर लिखी जाएगी। इससे छात्रों के लिए सीधे तौर पर रोजगार के अवसर बढ़ जाएंगे। दरअसल, एआईसीटीई ने मॉडल करिकुलम तैयार किया था। इसके तहत छात्र अपनी मूल ब्रांच के साथ एक और ब्रांच को पढ़कर उसमें डिग्री हासिल कर सकेगा। छात्रों को मूल ब्रांच में 160 क्रेडिट हासिल करने होंगे। ऐसा करने पर वो माइनर इंजीनियरिंग करने के लिए पात्र हो जाएगा। इसके बाद ऑप्शनल के तौर पर चयन करने वाली ब्रांच में 20 क्रेडिट हासिल करने होंगे। छात्र को जब डिग्री दी जाएगी तो उसमें दोनों ब्रांच का जिक्र किया जाएगा।अभी आरजीपीवी ने ओपन इलेक्टिव इंजीनियरिंग की शुरुआत कर दी है। इसके तहत 13 ब्रांच को अलग अलग ग्रुप में बांटा गया है। छात्र अपने ग्रुप की ब्रांच के साथ ही उसी ग्रुप की एक ओर ब्रांच को चुन सकता है। छात्रों के लिए यह व्यवस्था पांचवे सेमेस्टर में लागू की गई है। ग्रुप में आपस में जु?ी हुई ब्रांच को रखा गया है। आरजीपीवी ने नई व्यवस्था की जानकारी देने के लिए अलग अलग प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी शुरुआत कर दी है। जिससे छात्रों समेत फैकल्टी को नई व्यवस्था के बारे में जानकारी मिल सके।

मप्र में बनेगी अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, जमीन का आरक्षण तय

भोपाल। मध्यप्रदेश में पहली बार अजीम प्रेमजी फाउंडेशन यूनिवर्सिटी खोलेगा। इसके लिए सरकार ने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को प्रारंभिक तौर पर 50 एकड़ जमीन देना तय कर लिया है। इसके तहत टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने जमीन का लैंडयूज चेंज करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेज दिया है। दरअसल, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने भोपाल में ग्राम कानासैया में 50 एकड़ जमीन को पसंद किया है। इस पर भोपाल संभागायुक्त ने टीएनसीपी को पत्र लिखकर इस जमीन का लैंडयूज शैक्षणित करने की मांग की है। वर्तमान में भोपाल में 2005 का मास्टर प्लान लागू है, जिसमें इस जमीन का उपयोग कृषि के लिए दर्शाया गया है। इस कारण यहां यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए पहले इस जमीन का लैंड-यूज बदलना होगा।

इंदौर की पंचायत को मिलेगा देश का पहला मूक बधिर सरपंच!

डांसरी गांव को कुछ समय पहले ही मिला था ग्राम पंचायत का दर्जा

अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के उम्मीदवार के लिये आरक्षित किया गया है पद

चुनावों में स्थानीय निवासी लालू का निर्विरोध सरपंच निर्वाचित होना लगभग तय

नवप्रदेश संवाददाता

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले की एक ग्राम पंचायत को देश का पहला मूक बधिर सरपंच मिलने जा रहा है। राज्य में आगामी दिनों में होने वाले पंचायत चुनाव में लालू (27) नाम के इस युवक की जीत तय मानी जा रही है। इंदौर शहर से करीब 40

किलोमीटर दूर डांसरी गांव के निवासी हैं। डांसरी गांव को कुछ समय पहले ही ग्राम पंचायत का दर्जा दिया गया है। वह इस गांव के इकलौते अनुसूचित जनजाति के वोटर हैं और इस बार इस पंचायत से उनके सरपंच बनने की बात कही जा रही है। करीब 1,000 लोगों की आबादी वाले इस गांव की नवगठित पंचायत के आगामी चुनावों के लिए सरपंच का पद चक्रानुक्रम (रोटेशन) पद्धति के मुताबिक लॉट निकालकर अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के उम्मीदवार के लिये आरक्षित किया गया है। मध्य प्रदेश में फिलहाल ग्राम पंचायत चुनावों के कार्यक्रम की फिलहाल आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन डांसरी के निवासियों का कहना है कि जल्द संभावित चुनावों में लालू का निर्विरोध सरपंच निर्वाचित होना लगभग तय है क्योंकि इस गांव में वह एसटी वर्ग के इकलौते मतदाता हैं। लालू खुद भी चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। अब तक अविवाहित लालू के माता-पिता बचपन में ही गुजर गए थे। वह पिछले 20 साल से डांसरी के एक परिवार के साथ रहकर खेती कर रहे हैं। राज्य में मूक-बधिर समुदाय के अधिकारों के लिए सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानेंद्र पुरोहित ने इशारों की जुबान में लालू से हुई बातचीत के हवाले से बताया, खुद पर भरोसे से लबरेज लालू का कहना है कि वह आगामी पंचायत चुनावों में सरपंच पद के लिए निश्चित तौर पर पर्चा दाखिल करेगा। पुरोहित ने बताया कि सरपंच बनने के बारे में सोचकर उत्साहित लालू खासकर किसानों के हित में काम करना चाहता है। इसके साथ ही, अपने गांव में नयी सड़कें बनवाकर विकास में योगदान करना चाहता है।सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा, अगर आगामी पंचायत चुनावों में लालू डांसरी का सरपंच बनता है, तो वह इस पद पर निर्वाचित होने वाला देश का पहला मूक-बधिर उम्मीदवार होगा।

भाजपा विधायक आकाश विजयवर्गीय बोले - मामा ने एसपी-डीएसपी को मारे हैं चांटे

नवप्रदेश संवाददाता

इंदौर। नगर निगम अधिकारी की बल्ले से धुनाई से विवादों में आए भाजपा विधायक आकाश विजयवर्गीय ने रविवार को फिर विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने पिता भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के खास समर्थक मनीष शर्मा (मामा) को लेकर कहा है कि मामा दबंग नेता रहे हैं। अभी तो पहले के बराबर चार आने भी नहीं हैं। मामा कई एसपी-डीएसपी को चांटे मार चुके हैं।

आकाश पितृ पर्वत पर हनुमान प्रतिमा के लोकार्पण के लिए छावनी में कराए 1100 हनुमान चालीसा पाठ में शामिल हुए थे। कार्यक्रम आयोजक मनीष मामा थे। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी अश्विन जोशी ने मतदान के एक दिन पहले मनीष मामा पर पैसे बांटने के आरोप लगाए थे। विधायक के

भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भाजपा विधायक आकाश विजयवर्गीय इसके पहले नगर निगम इंदौर अधिकारी की बल्ले से धुनाई को लेकर विवादों में आए थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने कहा कि सरकार सही कार्रवाई कर रही थी। भाजपा विधायक ने खुद सच्चाई स्वीकारी। विधायक कह रहे हैं कि मनीष मामा पुलिस अफसरों को चांटे मार चुके हैं। आकाश बल्ला चलाते हैं जबकि कैलाश विजयवर्गीय आग लगाने की धमकी देते हैं।

शौचालय के साथ तस्वीर खिंच गई और लाभार्थियों को पता भी नहीं

540 करोड़ रुपये का स्वच्छ भारत घोटाला

मध्य प्रदेश के बेतुल में स्वच्छ भारत योजना के तहत 540 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया

इस लागत से बनाए जाने वाले 4.5 लाख से भी अधिक शौचालय सिर्फ कागजों तक ही सीमित है

सरकार ने आरोपियों से प्रत्येक शौचालय में खर्च होने वाले पैसे जब्त करने के आदेश दिए

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्वच्छ भारत योजना के तहत 540 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस लागत से बनाए जाने वाले 4.5 लाख से भी अधिक शौचालय सिर्फ कागजों तक ही सीमित

है, इनका जमीन पर निर्माण नहीं हुआ। जबकि प्रशासन का दावा था कि उसके पास प्रत्येक शौचालय का जीपीएस टैग्ड फोटो भी है। अब सरकार ने आरोपियों से प्रत्येक शौचालय में खर्च होने वाले पैसे जब्त करने के आदेश दिए हैं। इस शौचालयों का निर्माण 2012 से 2018 के बीच होना था लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि ये शौचालय सिर्फ कागज तक ही सीमित हैं। अब अधिकारियों को भी अहसास होने लगा है कि स्वच्छ टॉयलट निर्माण के सबूत के रूप में जो तस्वीरें ली गई थीं वह किसी और जगह की थीं। इस घोटाले का खुलासा तब हुआ जब बेतुल के लक्कड़जाम पंचायत के कुछ ग्रामीणों ने अधिकारियों के पास जाकर शिकायत की थी। चार स्वच्छ लाभार्थियों ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं है कि उनके नाम से शौचालयों का निर्माण हो चुका है। लेकिन सरकारी दस्तावेजों में न सिर्फ यह कहा गया है कि उनके घरों में शौचालय हैं बल्कि टॉइलट्स के सामने उनकी तस्वीरें भी हैं। जांच में खुलासा हुआ कि सभी तस्वीरें पड़ोस के घर की थीं। बेतुल पंचायत के सीईओ एमएल त्यागी ने बताया, इन शौचालय और दूसरी विसंगतियों के लिए आरोपी से 7 लाख रुपये की वसूली की जाएगी। आरोपियों ने वसूली आदेश के खिलाफ अपील की, लेकिन जुर्माना बरकरार रखा गया

भारत की प्राथमिकता होगी दाल के मामले में आत्मनिर्भरता

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। दुनिया में दाल का सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद भारत को अपनी जरूरतों के लिए दाल का आयात करना पड़ता है। लिहाजा, सरकार ने दाल की खपत के मामले में आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय प्राथमिकता की श्रेणी में रखा है और इसकी खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी सिलसिले में विश्व दलहन दिवस पर सोमवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दालों पर तीन दिवसीय एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन शुरू होने जा रहा है जिसमें देश-दुनिया के दलहन फसल विशेषज्ञ पहुंच रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के मौजूदा दौर में भारत में दलहनों की खेती बढ़ाने की संभावनाओं और इसकी चुनौतियों को लेकर यहां कृषि वैज्ञानिक मंथन करेंगे। इसलिए सम्मेलन का विषय 'पल्सेस क्लाइमेट स्मार्ट क्रॉप्स~ चैलेंज एंड अपोर्च्युनिटी' रखा गया है। इस

सम्मेलन का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत आने वाले और भोपाल स्थित भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान में होने जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इस सम्मेलन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी शिरकत कर सकते हैं। दाल के मामले में आत्मनिर्भर बनने और किसानों की आमदनी 2022 तक दोगुनी करने को राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर देख रही केंद्र सरकार लगातार दलहनों की पैदावार बढ़ाने और इससे किसानों की आमदनी में इजाफा करने के उपायों पर जोर दे रही है।

बीजेपी का सीएम कमलनाथ पर हमला- बताया 15 प्रतिशत वाली सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के पीएम मोदी पर दिये बयान पर बीजेपी प्रवक्ता जीवीएल नरसिम्हा ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि खुद कमलनाथ बड़े कलाकार हैं, सब जानते हैं कि इनकी बस 15 प्रतिशत वाली सरकार है. दरअसल, सागर की एक सभा में कमलनाथ ने पीएम मोदी को लेकर कहा था कि मुंह चलाने और देश चलाने में बहुत अंतर होता है. मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा था, मोदी जी, ध्यान मोड़ने के लिए कभी राष्ट्रवाद की बात करेंगे कभी पाकिस्तान की बात करेंगे लेकिन नौजवालों और किसानों की बात नहीं करेंगे.

सीहोर में दबंगों ने विधवा मां और बेटी की चोटी पकड़कर लात-मुक्के मारे

मां-बेटी के साथ मारपीट की वारदात घर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई

पुलिस ने आरोपी धर्मेंद्र पाटीदार और तीन अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया

सीहोर। यहां एक विधवा महिला और उसकी बेटी के साथ शहर के तीन गुंडों ने घर में घुसकर जमकर मारपीट की। दोनों की

चोटी पकड़कर लात और मुक्के भी मारे गए। घटना इंग्लिशपुरा क्षेत्र में रविवार शाम की है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। लेकिन, एक भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पीड़ति मां-बेटी ने मारपीट के फुटेज पुलिस को दिए हैं। जानकारी के अनुसार, महिला के पति की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। वह अपनी बेटी के साथ एक मकान में अकेली रहती है। धर्मेंद्र पाटीदार नाम का रसूखदार महिला के मकान को अपना बताकर खाली करने को कह रहा है। धर्मेंद्र महिला के पति का दोस्त था। बताया जा रहा है कि महिला के पति और धर्मेंद्र के बीच रुपयों का लेनदेन रहता था। रविवार शाम धर्मेंद्र अपने तीन दोस्तों के साथ महिला के घर पहुंचा।

और बढ़ गया विवाद, शबिस्ता बोलीं-मेयर के खिलाफ दर्ज कराऊंगी मानहानि का केस

शबिस्ता ने कहा कि कब्रिस्तान और वक्फ की जमीन पर एप्रोच रोड का निर्माण नहीं होने दिया जाएगा

भोपाल। महापौर आलोक शर्मा और कांग्रेस पार्षद शबिस्ता जकी के बीच चल रहा विवाद बढ़ता जा रहा है। शबिस्ता जकी ने रविवार को आर्च ब्रिज पर प्रदर्शन किया और दावा किया कि महापौर जिस जमीन पर अवैध कब्जे की बात कह रहे हैं वह उन्हें पूर्व से आवंटित है। उन्होंने कहा कि वे महापौर के खिलाफ मानहानि का केस लगाएंगी। शबिस्ता ने कहा कि कब्रिस्तान और वक्फ की जमीन पर एप्रोच रोड का निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। उधर, रानी कमलापति की प्रतिमा के अनावरण के लिए महापौर आलोक शर्मा द्वारा दी गई 72 घंटे की चेतावनी की मियाद सोमवार को पूरी हो रही है। महापौर ने कहा कि वे प्रोटोकॉल के अनुसार प्रतिमा के लोकार्पण के लिए चर्चा करेंगे।

बिना वजह सिजेरियन या दूसरे ऑपरेशन किए तो सील हो सकता है नर्सिंग होम!

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कमलनाथ सरकार माफिया पर नकेल कस रही है. अभी तक भू माफिया और मिलावट माफिया पर कार्रवाई कर चुकी सरकार की नज़र में अब वो अस्पताल और नर्सिंग होम्स हैं जहां सिर्फ मरीज़ों को लूटने के लिए बिना ज़रूरत ऑपरेशन किए जा रहे हैं. खासतौर से जहां महिलाओं के सिजेरियन ऑपरेशन हो रहे हैं. सरकार उन नर्सिंग होम्स की कुंडली तैयार कर रही है जहां कुछ ज़्यादा ही मरीज़ों के ऑपरेशन किए जा रहे हैं. सरकार का मिशन प्रदेश को माफिया मुक्त बनाने का है. इसके लिए अलग-अलग क्षेत्रों के माफिया पर सरकार अपनी नज़र रख रही है.बात अगर स्वास्थ्य के क्षेत्र की करें तो पहले तो सरकार ने

खाद्य पदार्थों के मिलावट खोरों पर लगाम कसी.फिर ड्रग माफिया पर शिकंजा कसा.नकली कास्मेटिक के सप्लायर्स पर भी सरकार ने कानूनी कार्रवाई की. और अब स्वास्थ्य विभाग की नज़र उन हेल्थ लुटेरों पर है जो मरीज़ों से लंबा-चौड़ा बिल वसूलने के लिए ज़रूरत ना होने पर भी उनका ऑपरेशन कर देते हैं. सबसे ज़्यादा शिकायत प्राइवेट हॉस्पिटल्स और नर्सिंग होम्स से मिल रही है. इस लिए स्वास्थ्य विभाग इसकी मॉनिटरिंग कर रहा है. जब ऑपरेशनों के डाटा को चेक किया तो ये बात सामने आई कि प्राइवेट नर्सिंग होम्स में डिलीवरी के लिए सबसे ज़्यादा सिजेरियन ऑपरेशन किए जा रहे हैं.ये सिलसिला बरसों से चल रहा है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 (न्याय क्षेत्र भोपाल), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com